RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः291, रविवार, 02 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

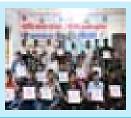

एसएसबी द्वारा कराये जा रहे निः शुल्क प्लंबिंग और मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स प्रशिक्षण का हुआ... 03

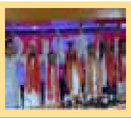

बसपा नेताओं का भाजपा में शामिल होना बना बड़ा सियासी संदेश 04

कपिल शर्मा संग किस किस को प्यार करूं 2 में दिखेंगी पारुल गुलाटी, शेयर किया... 07

मंदिर में भगदड़, 10 की मौत

- आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर मंदिर में बड़ा हादसा
- एकादशी पर ज्यादा भीड़ होने से टूट गई रेलिंग

श्रीकाकुलम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार भारी भीड़ के दौरान धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई। अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। भगदड़ के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें मंदिर की सीढ़ियों पर लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। इनमें महिलाएं, बच्चें और कई बुजुर्ग भी थे। इसी दौरान रेलिंग गिर गई और लोग भीड़

से दबने लगे। महिलाएं और बच्चे बाहर निकलने के लिए चीखते-चिल्लाते दिखे। कई तो अपनी जान बचाने के लिए लोगों के ऊपर चढ़कर निकलते दिखे। वहीं, हादसे ही बाद के वीडियो में लोग भीड़ में दबी महिलाओं और बच्चों को बाहर निकालते दिखे। महिलाएं भगदड़ वाली जगह पर इधर-उधर बेसुध पड़ी दिखाई दीं। लोगों ने भीड़ में से महिलाओं को उनके हाथ-पैर पकड़कर खींचते दिखाई दिए। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री अनीता ने बताया कि मंदिर में हर हफ्ते करीब 1500 से 2000 श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। आज एकादशी होने की वजह से श्रद्धालुओं की संख्या बहुत अधिक थी।

पीएम मोदी ने जताया दुख, सहायता राशि का ऐलान

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। साथ ही पीएम ने मृतकों के परिजनों के

लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायल व्यक्तियों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम ने भी हादसे पर जताया दुख

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वेंकटेश्वर मंदिर जैसे पवित्र स्थल पर हुई यह दुर्घटना अत्यंत दुखद है और इससे वे

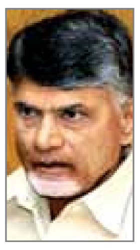

व्यक्तिगत रूप से भी व्यथित हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। सीएम ने आधिकारिक एक्स पोस्ट के माध्यम से कहा, काशीबुग्गा में वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ की घटना से मुझे गहरा आघात पहुंचा है। इस हादसे में श्रद्धालुओं की मौत अत्यंत दुखद है।

पाकिस्तानी एजेंट हैं गोगोई, मैं साबित करके दिखाऊंगा

- असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने दे डाली चुनौती

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने एक बार फिर कांग्रेस सांसद पर उन्हें पाकिस्तानी एजेंट बताते हुए करारा हमला बोला है। सरमा ने कहा कि विदेशी ताकतों ने उन्हें अपने फायदे के लिए भारत में प्लांट किया है। सरमा ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर गोगोई के अंदर दम है तो मानहानि का मुकदमा करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि गायक जुबिन गर्ग के परिवार को न्याय दिलवाने के बाद वह अपने इन आरोपों को भी साबित करके दिखाएंगे। सरमा ने कहा, गौरव गोगोई पाकिस्तानी एजेंट हैं। मेरे पास इसके सबूत हैं। उन्हें हमारे देश में विदेशी ताकतों ने प्लांट किया है। मैं तथ्यों के साथ यह बात कह रहा हूं। मैं एक दिन इसे साबित कर दूंगा। बता दें कि गौरव गोगोई परउनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न की वजह से पहले भी आरोप लग चुके हैं।

आतंकियों के फन कुचलने का हो गया है इंतजाम!

- रात में आर्मी के सैन्य अभ्यास का खुल गया राज
- आर्टिकल 51 के इस्तेमाल का भी मिल गया हक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए भारत अब नई रणनीति पर काम कर रहा है। इसके तहत भारतीय सेना न्यू नॉर्मल के दिशा-निर्देश को फॉलो कर रही है। न्यू नॉर्मल वह सिचुएशन है, जिसमें किसी भी तरह की आतंकी

गतिविधि को युद्ध की कार्रवाई माना जाता है। इससे भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ चार्टर के आर्टिकल 51 के इस्तेमाल का भी हक मिल गया है। यह आर्टिकल आत्मरक्षा के हक के लिए है। इस तरह अब अगर किसी ने भी भारत के खिलाफ आतंकी हरकत करने की कोशिश की तो भारत बड़ी आसानी से उसे कुचल सकेगा। भारतीय सेना नई रणनीति के हिसाब युद्ध की तैयारियों में जुटी में हुई है। इसके तहत 70 फीसदी ट्रेनिंग रात के वक्त और 30 फीसदी ट्रेनिंग दिन में हो रही है। दक्षिण-पश्चिम आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना 'न्यू नॉर्मल' के पॉलिटिकल डायरेक्शन को फॉलो कर रही है। इसके मुताबिक देश में कोई अभी आतंकी गतिविधि को युद्ध का काम माना जाएगा। ऐसे किसी भी हालात करने के लिए सेना पूरी तरह से तैयारी में जुटी है।

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला आज

- भारत-साउथ अफ्रीका में से कौन बनेगा चैंपियन, होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का फाइनल कल 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए पहला विश्व खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। हालांकि, इस बड़े मैच पर मौसम की मार पड़ने की आशंका है क्योंकि हल्की

बारिश की संभावना जताई जा रही है। आईसीसी के नियमों के अनुसार फाइनल के लिए एक रिजर्व डे रखा गया है लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैच उसी दिन पूरा हो जाए भले ही ओवर कम करने पड़ें। अगर किसी भी तरह से मैच पूरा नहीं हो पाता है तो रिजर्व डे पर खेला जाएगा। अगर दोनों दिन बारिश के कारण मैच नहीं हो पाता है तो दोनों टीमें संयुक्त विजेता घोषित की जाएंगी। मुंबई का माहौल इस समय काफी गरमाया हुआ है। 74 फीसदी नमी, 31सेंटीग्रेट तापमान और 18 केपीएच की हवा के साथ-साथ, दोनों टीमों के बीच अपने पहले विश्व खिताब को जीतने की जबरदस्त उम्मीदें भी हवा में हैं। फिलहाल, हल्की बारिश की संभावना है और 30 पीसदी तक ऐसे आसार हैं कि मैच में रुकावट आ सकती है। इससे फैंस आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं और सोच रहे हैं कि अगर टूर्नामेंट के सबसे बड़े मैच में बाधा आती है या वह धुल जाता है तो क्या होगा। आईसीसी के मौजूदा नियमों के तहत 2 नवंबर को होने वाले फाइनल के लिए एक रिजर्व डे तय है।

राजस्थान में 108 साल बाद सबसे ज्यादा बारिश

- हिमाचल में तापमान-1.2 डिग्री, देश में कड़ाके की सर्दी में देर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में 108 सालों के बाद 2025 में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। राज्य में जुलाई से सितंबर तक, 715.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। इससे पहले साल 1917 में मानसून सीजन के दौरान सबसे ज्यादा 844.2 बारिश हुई थी। हिमाचल प्रदेश में भी बारिश ने अक्टूबर महीने में नए रिकॉर्ड बनाए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हिमाचल में इस साल अक्टूबर में 2005 के बाद सबसे ज्यादा बारिश, 68.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह सामान्य औसत 25.1 मिमी से 173 फीसदी ज्यादा है। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हिमाचल में 4 नवंबर और 5 नवंबर को बारिश या बर्फबारी की संभावना है। राज्य के ताबो और कुकुमसेरी में तापमान माइनस में चला गया है।

चरम पर पहुंचा प्रचार, बिहार में आर-पार

- शाह बोले-यह बिहार का भविष्य तय करने का चुनाव
- प्रियंका ने कहा-महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे

पटना/नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के गोपालगंज में वर्चुअली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर पटना से उड़ान नहीं भर पाया। अपने भाषण में शाह ने जंगलराज की याद दिलाई, साथ ही बंद पड़े चीनी मिलों को चालू कराने का वादा किया। बेगूसराय के बछवाड़ा में प्रियंका गांधी ने सभा की। बढ़ते क्राइम को लेकर प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बिहार में क्राइम चरम पर है। बिहार में महिलाएं असुरक्षित हैं।

- **शाह बोले-हम बंद चीनी मिलों को चालू करेंगे -** गोपालगंज में करीब 5 मिनट के अपने भाषण में शाह ने कहा, पीएम ने बंद पड़ी रीगा चीनी मिल को चालू करने का काम किया है। बिहार की बाकी बंद पड़ी चीनी मिल को

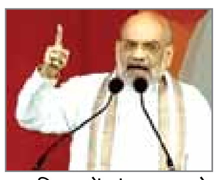

अगले 5 साल में चालू किया जाएगा। ये चुनाव विधायक चुनने का नहीं है। ये चुनाव बिहार का भविष्य तय करने का है। बिहार किसके हाथ में रहेगा। जिन्होंने सालों तक बिहार में जंगलराज थोपा उसके या नरेंद्र जी और नीतिश जी के नेतृत्व में जो बिहार का विकास हुआ उसे चुनेगा। साधु यादव के कारनामे गोपालगंज वालों से ज्यादा किसको मालूम हैं। जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए, जिनमें बथानी टोला, सोनारी, शंकरबीघा नरसंहार जैसे अलग-अलग 34 नरसंहार हुए थे।

- **प्रियंका बोलीं-प्रचार में मर्डर हो रहा, उद्योगपति मारे जा रहे-** बेगूसराय के बछवाड़ा में प्रियंका गांधी ने शनिवार को सभा की। बढ़ते क्राइम को लेकर प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बिहार में क्राइम चरम पर है। उद्योगपतियों की हत्या हो रही है। हाल में चुनाव प्रचार में

नेता की हत्या कर दी गई। महिलाएं असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि 20 सालों से बिहार में एनडीए की सरकार है। आपको आपके अधिकार नहीं दिए गए। आपको बांटने की राजनीति की। देशभर में झूठा राष्ट्रवाद दिखाया गया। हाल में इन लोगों ने एसआईआर करवाकर 65 लाख वोट काट दिए। इसके कटने का मतलब क्या है। आपके अधिकार कट रहे हैं। आपको कमजोर किया जा रहा है।

देश में 2013 के बाद नहीं हुआ कोई बड़ा आतंकी हमला

अजीत डोभाल बोले-सिर्फ जम्मू और कश्मीर तक रहा सीमित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हुक्र अजीत डोभाल ने सरदार पटेल मेमोरियल लेक्चर में देश की सुरक्षा स्थिति पर विस्तार से बात की। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि 2013 के बाद से जम्मू-कश्मीर को छोड़कर पूरा देश आतंकवादी हमलों से सुरक्षित रहा है। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि तथ्य तो तथ्य हैं, और इन पर कोई विवाद नहीं हो सकता। इस देश में आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया है। 1 जुलाई, 2005 को आतंकवाद की एक बड़ी घटना हुई थी, और आखिरी घटना 2013 में देश के अंदरूनी इलाकों में हुई थी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर को छोड़कर पूरा देश आतंकवादी हमलों से सुरक्षित रहा है। सरदार पटेल

स्मारक व्याख्यान को संबोधित करते हुए एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर को छोड़कर देश के अंदरूनी इलाकों में कोई आतंकी हमला नहीं हुआ है, हालांकि दुश्मनों ने अपनी गतिविधियां जारी रखी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 के बाद से वामपंथी उग्रवाद में तेजी से कमी आई है। दुश्मन बहुत सक्रिय रहे हैं, लेकिन सौभाग्य से, और यह देश के लिए सौभाग्य की बात है कि हम कह सकते हैं कि हमारे भीतरी इलाकों में कोई आतंकवादी घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद 2014 की तुलना में 11 प्रतिशत से भी कम क्षेत्रों में सिमट गया है। जिन जिलों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित घोषित किया गया था, उनमें से अधिकांश को सुरक्षित घोषित कर दिया गया है।

सीएम नीतिश कुमार ने बिहार के लोगों को भेजा मैसेज

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतिश कुमार ने शनिवार को राज्य के लोगों से एक बार फिर एनडीए को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'अब बिहारी होना गर्व की बात है और राज्य के समग्र विकास के लिए एनडीए सरकार का बने रहना जरूरी है। अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से भेजे गए वीडियो मैसेज में

मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद से बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'लोग जानते हैं कि 2005 से पहले स्थिति क्या थी।

सड़क पर फेंका कचरा तो वापस आएगा आपके घर

बेंगलुरु शहर में सफाई की 'रिटर्न गिफ्ट' मुहिम शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)। गली में घर का कचरा फेंकने वालों को सबक सिखाने के लिए बेंगलुरु नगर

निगम ने अनोखा उपाय निकाला है। यहां पर खासतौर पर 'रिटर्न गिफ्ट' मुहिम चल रही है। यहां पर जो भी व्यक्ति गली में कचरा फेंकेगा, कचरा वापस उसके घर में फेंक दिया जाएगा। ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी ने यह फैसला किया है। अथॉरिटी 'गारबेज डंपिंग फेस्टीवल' मना रही है। इसके तहत उन लोगों को सबक सिखाने की कोशिश की जा रही है, जो घर का कचरा सड़क पर फेंक देते हैं। इसका मकसद शहर में सफाई अभियान को बेहतर करना है। बेंगलुरु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड (बीएसडब्लूएमएल) के सीईओ करिगौड़ा ने इसके बारे में जानकारी दी। एनडीटीवी के मुताबिक बेंगलुरु में हमारे पास करीब 5000 ऑटो हैं। यह सभी घर-घर जाकर सूखा और गीला कचरा इकट्ठा करते हैं। इसके बावजूद कुछ लोग सड़क पर कचरा फेंकते हैं।

मैं डरने वाला नहीं हूं, चुनाव प्रचार में बिहार जाऊंगा

- जान से मारने की मिली धमकी के बाद बोले सांसद रवि किशन

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी के गोरखपुर से सांसद रवि किशन के निजी सचिव के फोन पर रवि किशन को जान से मारने की धमकी दी गई थी, तब से लेकर मामला बेहद गर्म हो चुका है। अब सांसद रवि किशन ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि ना तो मैं डरूंगा और ना ही झुकूंगा, चाहे इसके लिए मुझे कोई भी कीमत चुकानी पड़े मेरी मां और प्रभु श्री राम के लिए अपशब्द कहे गए हैं, यह कत्तई बर्दाश्त लायक नहीं। दरअसल, गुरुवार की देर रात खुद को बिहार के आरा जिला निवासी बताते हुए अजय कुमार यादव नामक एक सख्स ने गोरखपुर के सांसद रवि किशन के निजी सचिव शिवम दुबे के फोन पर कॉल किया और धमकी देते हुए कहा कि रवि किशन नौटंकीबाजी कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर धर्म युद्ध, यह जारी रहेगा

जनरल द्विवेदी बोले-हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया

सतना (एजेंसी)। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शनिवार को सतना में हैं। वे 53 साल बाद अपने बचपन के स्कूल सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। आर्मी चीफ ने कहा-ऑपरेशन सिंदूर एक धर्म युद्ध था, यह आगे भी जारी रहेगा।

हमने किसी भी निर्दोष को नुकसान नहीं पहुंचाया, न ही नमाज या किसी भी धार्मिक प्रार्थना के समय हमला किया। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि 1971-72 में चौथी क्लास में इस स्कूल में पढ़े हैं। इतने सालों बाद अपने स्कूल लौटकर वह भावुक हो गए। ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। सिद्धांत और तकनीक के संयोजन से मिशन सफल हुआ। पाकिस्तान को साफ संदेश दिया कि हम धर्म युद्ध के अनुयायी हैं और आगे भी यही नीति अपनाएंगे। स्कूल के दिनों में सीखी निर्णय क्षमता ने उन्हें सेना में कई सफलताएं दिलाईं।

चौथी कक्षा में यहीं से निर्णय लेने की क्षमता मिली, इसी ने ऑपरेशन सिंदूर में निर्णायक सफलता दिलाई। यह वही स्कूल है, जिसने उनके व्यक्तित्व और राष्ट्र सेवा के संकल्प को मजबूत किया। जनरल द्विवेदी ने छात्रों से कहा, सफलता की नींव विद्यार्थी जीवन में ही रखी जाती है। उन्होंने सफलता का मंत्र श्री ए बताया।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव आयोग के कैमरे से भारत-नेपाल बॉर्डर की मॉनिटरिंग, कागजात दिखाने के बाद ही भारत सीमा क्षेत्र में प्रवेश

पटना। विधानसभा चुनाव को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। पूरे बॉर्डर क्षेत्र में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जयनगर बॉर्डर पर तैनात एसएसबी की 48 वीं बटालियन के द्वारा सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। वहीं भारत-नेपाल बॉर्डर पर स्थायी 10 चेक पोस्ट पर चुनाव आयोग के कैमरा लगे हैं, जिसकी मॉनिटरिंग पटना से की जा रही है। कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने बताया की चुनाव को लेकर मतदान से 72 घंटा पहले बॉर्डर सील कर दिया जाएगा। वर्तमान में खुली बॉर्डर पर दोनों देश के नागरिकों को परिचय पत्र सहित अन्य चीजों के जांच के बाद ही आने जाने दिया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने के उद्देश्य से नेपाल से आने वाले संदिग्ध लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। सभी बॉर्डर पर महिला जवानों की नियुक्ति की गई है जो महिला नागरिकों की गहन जांच कर आने-जाने दिया जा रहा है। सीमा पर चौकसी के साथ गश्त लगाने, अपराधी तत्वों पर निगाह रखने व दोनों देशों से आने-जाने वाले लोगों के आईडी प्रूफ भी चेक किए जा रहे।

चेक पोस्ट पर पैनी निगाहः चुनाव को लेकर सीतामढ़ी से सटी भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एसएसबी के साथ ही नेपाली सुरक्षा प्रहरी के जवान सीमा पर कड़ी चौकसी कर रहे हैं। इसके तहत भिट्ठामोड़, सोनबरसा, परिहार, बैरगनिया, मेजरगंज के मुख्य चेक पोस्ट सहित अन्य पॉकेट रास्तों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। सीमा पर लोगों के पहचान पत्र की जांच भी की जा रही है

वैशाली में राजद विधायक मुकेश रौशन बोले- 'बिहार में राक्षस राज चल रहा है'

हाजीपुर। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच मोकामा में दुलारचंद राय की हत्या से राजनीति तेज हो गई है। इस घटना पर वैशाली के महुआ से RJD (राष्ट्रीय जनता दल) के विधायक मुकेश रौशन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा है। मुकेश रौशन ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि, "नीतीश कुमार अनंत सिंह जैसे अपराधी को जेल से निकलवाकर लोगों की हत्या करवा रहे हैं। बिहार में राक्षस राज चल रहा है।" उन्होंने कहा कि सरकार का एक इंजन अपराध में और दूसरा भ्रष्टाचार में चल रहा है।

'हत्या बिहार की वास्तविक स्थिति को दर्शाती है': रौशन ने दुलारचंद यादव को एक सामाजिक कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि उनकी हत्या बिहार की वास्तविक स्थिति को दर्शाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह न तो किसी को फंसाते हैं और न ही किसी को बचाते हैं।

"राक्षस राज" को बदलने का आह्वानः राजद विधायक ने आरोप लगाया कि दुलारचंद यादव की हत्या उनकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण हुई है और यह काम आनंद सिंह और उनके साथियों द्वारा किया गया है। उन्होंने बिहारवासियों से एकजुट होकर "राक्षस राज" को बदलने का आह्वान किया।

हत्याकांड ने चुनावी राजनीति को गर्मा दियाः मोकामा में हुई इस हत्याकांड ने चुनावी राजनीति को गर्मा दिया है। विपक्षी दलों को सरकार पर हमला बोलने का एक बड़ा मौका मिल गया है। रौशन ने इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री गांव-गांव घूम रहे हैं, लेकिन 20 साल के विकास के बारे में नहीं बता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी नेता मंदिर-मस्जिद और जात-पात की बात करते हैं, लेकिन विकास के मुद्दों पर चर्चा नहीं करते।

एनडीए कैंडिडेट की प्रचार गाड़ी क्षतिग्रस्त, हमलावर बोले- इधर सतीश यादव का चुनाव प्रचार मत करना

हाजीपुर। राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के बिदुपुर प्रखंड में एनडीए कैंडिडेट सतीश कुमार के प्रचार वाहन को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। यह घटना राजसन इलाके में हुई, जहां कुछ असामाजिक तत्वों ने प्रचार गाड़ी को नुकसान पहुंचाया है।

भाजपा कैंडिडेट की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षी परेशानः भाजपा कार्यकर्ताओं ने इन घटनाओं के लिए विपक्षी खेमे को जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि भाजपा कैंडिडेट सतीश कुमार की बढ़ती लोकप्रियता के कारण यह प्रतिक्रिया हुई है। कार्यकर्ताओं ने इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है। मुन्ना कुमार ने बताया कि राजसन गांव में एनडीए प्रत्याशी सतीश कुमार यादव के चुनाव प्रचार के दौरान कुछ लोगों ने प्रचार गाड़ी को रोका। उन्होंने खुद को राजद समर्थक बताते हुए कहा कि 'इधर सतीश यादव का चुनाव प्रचार मत करना'। इसके बाद उन्होंने गाड़ी के पोस्टर और बैनर फाड़ दिए। मुन्ना कुमार के अनुसार, असामाजिक तत्वों ने धमकी दी कि यदि वे दोबारा इस तरफ प्रचार के लिए आए, तो उन्हें पीटा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 'गाड़ी का शीशा खोल देंगे और तुम्हारे साथ मारपीट करेंगे'।

अमित शाह हाजीपुर में करेंगे चुनावी सभा, कार्यक्रम से पहले अक्षयवट राय स्टेडियम में जलजमाव

हाजीपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज शनिवार को हाजीपुर विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। यह सभा अक्षयवट राय स्टेडियम में आयोजित की जा रही है, जहां वे एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनता से वोट देने की अपील करेंगे। इस जनसभा को लेकर एनडीए कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। मंच निर्माण और सुरक्षा की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं।

पुलिस लाइन में हेलीपैड का निर्माणः जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस लाइन में हेलीपैड का निर्माण किया जा रहा है ताकि अमित शाह का आगमन सुचारू रूप से हो सके। गृह मंत्री के आगमन और सभा को लेकर सदर एसडीओ रामबाबू बैठा, एसडीपीओ सुबोध कुमार एवं सुरक्षाकर्मियों ने सभा स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हेलीपैड निर्माण कार्य, बैरिकेडिंग, मंच, सुरक्षा व्यवस्था और लोगों के सभा स्थल पर आने-जाने के रास्तों का जायजा लिया। सदर एसडीओ और एसडीपीओ ने मौजूद कर्मियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। भाजपा के कई नेताओं ने भी मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। चुनावी मौसम में रुक-रुक कर हो रही बारिश से नेताओं की परेशानी बढ़ गई है। शुक्रवार को बारिश के कारण कई बड़े नेताओं के कार्यक्रम रद्द करने पड़े थे। गृह मंत्री की चुनावी सभा की तैयारी के बीच अक्षयवट राय स्टेडियम में जलजमाव और कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। नगर परिषद के कर्मचारी लगातार बारिश का पानी निकालते दिखे, जबकि पानी और कीचड़ के बीच सभा स्थल पर पंडाल और अन्य तैयारी कार्य जारी रहा।

मोन्था का असर-तेजस्वी यादव प्रियंका, पवन सिंह की सभा रद्द

एजेंसी, पटना

♦ पटना समेत 5 जिलों में बारिश, 26 में अलर्ट

चक्रवात 'मोन्था' का असर बिहार के कई जिलों में दिख रहा है। पटना में सुबह से तेज बारिश हुई। समस्तीपुर, बेगूसराय, छपरा और बेतिया में भी हल्की बारिश हुई है। खराब मौसम का असर चुनाव प्रचार पर हुआ है। खगड़िया में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की आज होने वाली सभा रद्द हो गई है। पवन सिंह की मनेर विधानसभा के बिहटा प्रखंड में और तेजस्वी की मुजफ्फरपुर में होने वाली 2 सभाएं कैंसिल हुई हैं। बारिश के कारण धान की फसल को नुकसान हुआ है। इधर, बांका में लगातार बारिश से रजौन बाजार के कई घरों में पानी भर गया है। बारिश से सिझत गांव में लगातार बारिश के कारण दीवार गिरने से किसान की मौत हो गई। मोतिहारी में भी एक शख्स की जान गई।

आज 26 जिलों में बारिश का अलर्टः मौसम विभाग ने आज 26 जिलों में बारिश की चेतावनी दी है। इसमें 7 जिलों में ऑरेंज तो 19 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। 40Kmph की रफ्तार से हवा भी चलेगी। पटना समेत सूबे के कई जिलों में पूरे दिन हल्की बारिश और बूंदाबांदी होने का पूर्वानुमान है। आसमान बादलों से घिरा रहेगा। हल्की ठंड हवा भी चलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, 2 नवंबर से मौसम साफ हो जाएगा। उसके बाद न्यूनतम पारा में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट दर्ज की जाएगी।

24 घंटे में सुपौल में 65.3mm बारिशः शुक्रवार को औरंगाबाद और कटिहार को छोड़कर पटना समेत पूरे बिहार में बारिश हुई।सुपौल में बीते 24 घंटे में औसतन 65.4mm बारिश रिकार्ड की गई। जबकि फारबिसगंज में 31.4mm बारिश दर्ज की गई। इधर, कोसी नदी के जलस्तर में भी लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है।

बारिश की तीव्रता और बढ़ेगीः मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार चक्रवात मोन्था बंगाल की खाड़ी से होते हुए उत्तर बिहार की ओर बढ़ रहा है। इसका सबसे अधिक प्रभाव राज्य के उत्तर-पूर्वी और सीमांचल जिलों में देखने को मिलेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि शुक्रवार रात से शनिवार तक बारिश की तीव्रता और बढ़ सकती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि इस दौरान खेतों में पानी जमा न होने दें और खुले में काम करने से बचें।

पीएम के रोड शो से पहले पटना में हाई-लेवल मीटिंग

एजेंसी, पटना

♦ त्रिस्तरीय सुरक्षा के बीच होगा रोड शो, 5000 हजार पुलिस बल तैनात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पटना में रोड शो करने जा रहे हैं। उनके रोड शो से एक दिन पहले आज शनिवार को सुरक्षा व्यवस्था पर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। यह बैठक पटना सेंट्रल रेंज के आईजी जितेंद्र सिंह राणा के कार्यालय सभागार में हुई। इस बैठक में ADG स्तर के अधिकारी, एसएसपी, सिटी एसपी और डीएसपी रैंक के अधिकारी शामिल हुए। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में सुरक्षा को लेकर कई अहम दिशा-निर्देश दिए गए।

राजधानी में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागूः आईजी जितेंद्र सिंह राणा ने बताया कि प्रधानमंत्री के रोड शो के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है।रोड शो के पूरे मार्ग पर 5000 से अधिक पुलिस बल तैनात रहेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर सड़क के दोनों ओर बैरिकेडिंग की गई है। आईजी ने बताया कि निगरानी के लिए मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और रोड शो के रास्ते में आने वाली बहुमंजिला इमारतों पर भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। पटना पुलिस ने रोड शो के लिए सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए हैं। SPG (स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप) और अर्धसैनिक बलों के जवान भी सड़क पर चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखेंगे। सुरक्षा योजना की कमान खुद डीएम त्यागराजन, एसएम और एसएसपी कार्तिकेय शर्मा के हाथों में है। शहर में सुरक्षा को लेकर चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। रोड शो के दौरान भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा निगरानी के लिए सिविल ड्रेस में पुलिस पदाधिकारी भी तैनात किए जाएंगे। रूट मैप पर पुलिस के साथ-साथ मजिस्ट्रेट और जिला बल को भी नियुक्ति की गई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना या सुरक्षा चूक से बचा जा सके।

खराब मौसम में नेताओं के हेलिकॉप्टर नहीं उड़े

एजेंसी, पटना

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार प्रसार पर देखने को मिल रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव अभियान के बीच पटना में हो रही लगातार बारिश और खराब मौसम ने राजनीतिक दलों के प्रचार अभियान पर ब्रेक लगा दिया है। राजधानी समेत आसपास के जिलों में शुक्रवार से जारी मूसलाधार बारिश के चलते हवाई प्रचार पूरी तरह ठप हो गया है। पटना एयरपोर्ट पर विभिन्न दलों के नेताओं के एक दर्जन से अधिक हेलिकॉप्टर उड़ान भरने के लिए तैयार खड़े हैं, लेकिन खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण सभी उड़ानें फिलहाल रोक दी गई हैं। एयरपोर्ट पर हेलिकॉप्टरों की लंबी कतार लग गई है और पायलट मौसम सुधरने का इंतजार कर रहे हैं।

नीतीश कुमार निकले सड़क मार्ग से प्रचार परः हेलिकॉप्टर सेवाएं प्रभावित होने के चलते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने तय कार्यक्रमों के लिए सड़क मार्ग से ही रवाना होना पड़ा। नीतीश कुमार का आज हवाई मार्ग से बेनीपट्टी, खजौली, परिहार, बथनाहा, रीगा, कुढ़नी, बरूराज, राघोपुर और पातेपुर का दौरा प्रस्तावित था, लेकिन खराब मौसम के कारण अब सड़क मार्ग से सीमित सभाओं का ही आयोजन किया जा रहा है। वहीं, राजद नेता तेजस्वी यादव ने मौसम को देखते हुए अपनी प्रचार रणनीति में बदलाव किया है। उन्होंने कई जिलों में निर्धारित सभाओं को रद्द कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समर्थकों से जुड़ने की तैयारी शुरू की है।

पीएम का रोड शो दिनकर चौराहा से उद्योग भवन तक 2.8 किमी के रूट में बन रहे 10 स्वागत प्वाइंट्स

एजेंसी, पटना

❑ जगह-जगह लग रहे मोदी के कटआउट

पटना में 2 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मेगा 2.8 किमी का रोड शो है। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मोदी राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन करेंगे। बीजेपी कार्यक्रम को चुनावी दृष्टि से बेहद अहम मान रही है, क्योंकि रोड शो के जरिए पार्टी पटना की 14 विधानसभा सीटों को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। पीएम मोदी का रोड शो कदमकुआं के दिनकर चौक से शुरू होगा, जो पटना के प्रमुख इलाकों से होते हुए आगे बढ़ेगा। रोड शो शाम 5 बजे से शुरू होने की संभावना है। पूरे रास्ते में 10 स्वागत प्वाइंट बनाए जा रहे हैं, जहां प्रधानमंत्री का स्वागत फूलों की वर्षा, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। दिनकर चौराहा से शुरू होकर पीएम मोदी का रोड शो गांधी मैदान के उद्योग भवन तक खत्म होगा।

लाखों लोगों के शामिल होने की संभावनाः जानकारी मुताबिक रोड शो में लाखों की भीड़ जुटाने की तैयारी की जा रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और जिला इकाइयों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। खासकर महिलाओं की बड़ी भागीदारी के लिए महिला मोर्चा की टीम सक्रिय है। माना जा रहा है कि यह रोड शो पटना की सियासत में नया माहौल बनाएगा।

पूरे रास्ते को भगवा रंग में रंगने की तैयारीः पटना जिला इकाई को रोड शो की मुख्य जिम्मेदारी दी गई है। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन को कार्यक्रम के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं अभिषेक कोषाध्यक्ष और पार्टी के अन्य पदाधिकारी भी विभिन्न समितियों के प्रभारी बनाए गए हैं। पूरे कार्यक्रम की निगरानी प्रदेश नेतृत्व खुद कर रहा है। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए पूरे रास्ते को भगवा रंग में रंगने की तैयारी है। जगह-जगह होर्डिंग, बैनर और पीएम मोदी के कटआउट लगाए जा रहे हैं। फूलों की सजावट और लाइटिंग से पटना की सड़कों को सजाया जाएगा। पीएम मोदी का रोड शो केवल जनसंपर्क अभियान नहीं बल्कि चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी अपने इस कार्यक्रम के जरिए राजधानी पटना के 14 विधानसभा क्षेत्रों में सीधा संदेश देंगे। बीजेपी को उम्मीद है कि इस जनसैलाब के बाद प्रदेशभर में एनडीए के पक्ष में माहौल और तेजी से बनेगा।

पिछली बार की तरह ऐतिहासिक बनाने की तैयारीः लोकसभा चुनाव के दौरान भी पीएम मोदी ने पटना में रोड शो किया था, जिसमें भारी भीड़ उमड़ी थी। अब विधानसभा चुनाव से पहले दूसरी बार होने वाला यह रोड शो उस माहौल को दोहराने और बीजेपी के लिए मिशन बिहार की शुरुआत मानी जा रही है। पिछली बार पीएम मोदी का रोड शो एयरपोर्ट से शुरू होकर बेली रोड होते हुए बीजेपी कार्यालय तक पहुंचा था।इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने 29 मई को पटना में 72 मिनट का रोड शो किया था। रोड शो के पहले पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन और बिहटा एयरपोर्ट का शिलान्यास किया था। शाम 6:45 बजे बीजेपी दफ्तर पहुंचे वहां कार्यकर्ताओं के साथ 70 मिनट मीटिंग की थी। इसके बाद पीएम डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के बेटे की सगाई में शामिल हुए थे।

दुलारचंद हत्याकांड में 3 एफआईआर, एक पुलिस ने भी कराई, अनंत सिंह का समर्थक बोला, हमें रॉड से मारा

एजेंसी, पटना

❑ दुलारचंद के पोते ने कहा- बाहुबलि ने की फायरिंग

राजद नेता दुलारचंद हत्या मामले में अब तक 3 FIR दर्ज हो चुकी हैं। एक अनंत सिंह के पक्ष की ओर से समर्थक जितेंद्र कुमार ने दर्ज कराई, दूसरी दुलारचंद के पोते नीरज कुमार और तीसरी FIR पटना पुलिस की तरफ से दर्ज हुई है। फिलहाल इस पूरे मामले में पटना पुलिस ने कार्रवाई भी शुरू कर दी है। पत्थरबाजी की घटना में शामिल कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी भी हो रही है।

अनंत सिंह के समर्थक ने FIR में क्या कहा ?: अनंत सिंह के समर्थक जितेंद्र कुमार ने एफआईआर में कहा है कि 30 अक्टूबर की शाम 3 से 4 बजे के बीच जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह विधानसभा क्षेत्र में प्रचार करते हुए घोसवरी थाना अंतर्गत तारतर गांव से गुजर रहे थे। विधायक अनंत सिंह के साथ कई गाड़ियां काफिले के आगे निकल गई थी। मैं और मेरे पीछे कई गाड़ियां छूट गई। इसी बीच तारतर गांव से पश्चिम अस्ताबाद खंदा में पहुंचे तो जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी और उनके समर्थक लखन महतो, बाजो महतो, नीतीश महतो, ईश्वर महतो, अजय महतो समेत अन्य ने जान मारने की नीयत से अचानक मेरी और पीछे की गाड़ियों की ओर तलवार, लाठी, लोहे की रॉड, पिस्टल के साथ चारों तरफ से घेर लिया। जान मारने की धमकी देते गाड़ियों के शीशे तोड़ने लगे। गाड़ी से खींचकर मारने का प्रयास किया। मेरे ऊपर लोहे की रॉड से हमला किया।

न्य गाड़ियों पर भी ऐसे ही हमले हो रहे थे। चारों तरफ अफरातफरी मची हुई थी। मुर्दाबाद के नारे लगाए जा रहे थे। इसी बीच पिस्टल से उनलोगों ने फायरिंग करनी शुरू कर दी। जैसे तैसे वहां से भागकर बाढ़ पहुंचे और इलाज कराया। कई लोगों के हाथ पैर टूट गए, कइयों को आंख, सिर में चोट लगी है। पूरे प्लान के साथ घटना को अंजाम दिया गया।

दुलारचंद के पोते ने एफआईआर में क्या कहा ?: दुलारचंद के पोते नीरज कुमार ने कहा है कि मैं और दादा दुलारचंद यादव रोज की तरह जन सुराज के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी के लिए 3:30 बजे बसामनचक गांव के करीब पहुंचे थे। इसी बीच रास्ते में अनंत सिंह अपने सहयोगी के साथ आया और दादा को गाली देने लगा। इस दौरान दादा गाली देने से मना करने लगे। इस पर राजवीर सिंह और कर्णवीर सिंह ने जबरदस्ती दादा को गाड़ी से खींच लिया। दादा के गाड़ी से बाहर आते ही अनंत सिंह ने अपने कमर से पिस्टल निकाली और जान मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जो गोली बाएं पैर की टुडि में लगी। दादा वहीं गिर गए। छोटन सिंह, कंजय सिंह लोहे की रॉड से सिर, पैर, पीठ पर जान मारने की नीयत से वार करने लगे। इसके बाद थार से कुचल दिया। गाड़ी को 2 बार आगे-पीछे किया, फिर हिला कर उन्हें देखा। मरा अवस्था पाकर वहां से सभी भाग गए। नीरज ने अनंत कुमार सिंह समेत 5 को नामजद आरोपी बनाया है।

सबूत के आधार पर कार्रवाई होगीः पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने इस मामले में तीसरी FIR दर्ज होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया है कि पूरे घटनाक्रम को लेकर एक FIR पुलिस की ओर से भी गई है। पत्थरबाजी के मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। लगातार कार्रवाई जारी है। साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई होगी। किसी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा।

जू का टाइम आज से बदल जाएगा सुबह 6 से शाम 5 बजे तक ही खुलेगा

एजेंसी, पटना

पटना के चिड़ियाघर समेत सभी पार्कों के खुलने और बंद होने का समय आज से बदल गया है। पटना जू अब सुबह 6 से शाम 5 बजे तक खुला रहेगा। यह बदलाव फरवरी तक रहेगा। बढ़ती ठंड को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मॉर्निंग वॉक करने का समय 9 बजे तक होगा। इसके बाद आम लोगों के लिए काउंटर खोले जाएंगे। सभी पार्क सुबह 5:30 से शाम 7:30 बजे तक खुले रहेंगे। ठंड के कारण इको पार्क सहित राजधानी के 30 पार्कों के खुलने और बंद होने के समय में बदलाव किया गया है।

ठंड में बढ़ जाती है दर्शक की संख्याः हर साल ठंड के मौसम को देखते हुए समय में बदलाव किया जाता है। गर्मी के दिनों में पटना जू सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है। मगर ठंड में सुबह और शाम में एक-एक घंटे समय में कटौती की जाती है। सुबह 5 बजे और शाम 6 बजे अंधेरा हो जा रहा है। इसके चलते पटना जू के समय में परिवर्तन किया जाता है। पटना जू में हर दिन औसतन 6 हजार विजिटर्स आते हैं जो की ठंड में बढ़कर 8-9 हजार हो जाते हैं। जू में प्रति वयस्क 50 रुपए और प्रति शिशु 20 रुपए प्रवेश शुल्क लगता है। इसके अलावा नौकायान, शिशु उद्यान, मछलीघर, आदि का अलग से शुल्क लगता है।

ठंड में जानवरों के खान-पान पर रखा जाता है विशेष ध्यानः इधर, ठंड बढ़ने का असर जानवरों पर भी दिखने लगा है। जू प्रशासन ठंड में जानवरों की देखभाल और उनके खान-पान पर विशेष ध्यान दे रहा है। शीतलहर से पहले सभी जंगली जानवरों के केज में हीटर और बल्ब लगा दिया जाएगा। जानवरों के लिए खान-पान की भी विशेष व्यवस्था की गई है। शेर और बाघों के पिंजरों में गर्म हवा वाला ब्लोअर भी लगाया जाएगा। इसके साथ ही कंबल की व्यवस्था की जाएगी।

'मोंथा' साइक्लोन, निगम की 19 क्विक रिस्पॉन्स टीम का गठन

एजेंसी, पटना

❑ जल निकासी की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी, पटना में अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में लगाएंगे राउंड

पूरे बिहार में 'मोंथा' साइक्लोन का असर देखने को मिल रहा है। पटना में भी गुरुवार से ही लगातार रुक-रुककर बारिश हो रही है। बारिश से जलजमाव न हो इसे लेकर पटना नगर निगम की टीम अलर्ट मोड पर आ गई है। पूरी स्थिति से निपटने के लिए 19 क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) का गठन किया गया है। सभी वार्ड के नोडल पदाधिकारी, सभी जोनल पदाधिकारी, सफाई इंस्पेक्टर और कार्यपालक पदाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार राउंड लगाने और स्थिति पर निगरानी का निर्देश दिया गया है।

पंपिंग स्टेशनों के एक्टिविटी की होगी डिजिटल मॉनिटरिंगः इसके अलावा पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से संचालित 'ऑटोमेशन ऑफ ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन' प्रोजेक्ट के अंतर्गत पटना के 9 प्रमुख पंपिंग स्टेशनों के एक्टिविटी की डिजिटल मॉनिटरिंग की जाएगी। इको पार्क (3), योगीपुर (2), सैदपुर (2), पहाड़ी (2) पंपिंग स्टेशन शामिल है। इससे पंपों के संचालन और जल निकासी की स्थिति की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा सकेगी। वहीं, पटना नगर निगम के कंट्रोल रूम से भी लगातार स्थिति पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा कंट्रोल रूम में बैठे कर्मी वॉकी टॉकी से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वार्ड क्षेत्रों की स्थिति की निगरानी का दिया निर्देशः इसके अलावा नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी अधिकारियों को आने वाले दिनों में संभावित बारिश को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह सजग और तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ड्रेनेज पंपिंग स्टेशनों का निरीक्षण कर सभी आपातकालीन संसाधनों की फिर से जांच करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कार्यपालक पदाधिकारियों को यह भी कहा गया है कि वे अपने-अपने वार्ड क्षेत्रों की स्थिति की निगरानी करें और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें।

तीन पाली में कर्मियों की होगी तैनातीः इसके अलावा बुडको की ओर से भी तैयारी की गई है। बुडको एमडी अनिमेष पराशर ने तीन पाली में कर्मियों की तैनाती के निर्देश दिए हैं। संप हाउस में तैनात कर्मियों को प्रति घंटे पंप के वाटर लेवल की रिपोर्ट देनी होगी, जिससे बढ़ते घटते लेवल की निरंतर मॉनिटरिंग की जा सके। विभिन्न संवेदनशील इलाकों में 56 स्थाई डीजल पम्पिंग सेट तैनात किए गए हैं, जो बिजली न होने पर भी लगातार पानी की निकासी करते रहेंगे। हालांकि, बिजली आपूर्ति में रुकावट न आए, इसके लिए डीजल जनरेटर और अलग फीडर जैसी वैकल्पिक बिजली व्यवस्था की गई है।

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न संगठनों के द्वारा चलाई जा रही है मतदाता जागरूकता अभियान

बीएनएम @ मोतिहारी। मौसम की प्रतिकूल स्थिति में भी पूर्वी चंपारण जिला में मतदाता जागरूकता अभियान जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका एवं विकास मित्रों के माध्यम से जोर-शोर से चलाई जा रही है। मतदाता जागरूकता अभियान के माध्यम से आम मतदाताओं को जागरूक बनाया जा रहा है ताकि वे 11 नवंबर को पूर्वी चंपारण जिला में होने वाले मतदान के दिन अपने घरों से निकले अपने मतदान केंद्र पर जाएं एवं अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाएं। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आज जिला भर में रैलियां निकाली गई, स्वयं मतदान करने एवं दूसरे मतदाता को भी मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए की शपथ ली गई एवं डोर टू डोर अभियान चला कर लोगों को आगामी 11 नवंबर की तिथि याद दिलाई गई।

आदर्श आचार संहिता के कड़े अनुपालन के साथ किया जा रहा है संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के मद्देनजर जिले में आदर्श आचार संहिता के कड़े अनुपालन हेतु जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा लगातार सभी महत्वपूर्ण मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार के आचार संहिता उल्लंघन पर तत्काल संज्ञान लिया जा रहा है। ऐसे मामलों को रिकॉर्ड किया जा रहा है तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तर पर पुलिस कंट्रोल रूम को सुदृढ़ किया गया है, जहाँ चुनाव संबंधी शिकायतों, संदेहास्पद गतिविधियों एवं आचार संहिता उल्लंघन की सूचनाएँ 24×7 प्राप्त की जा सकती हैं। प्राप्त सूचना पर त्वरित एक्शन सुनिश्चित किया जाएगा। जिला प्रशासन आम नागरिकों से अपील करता है कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम या प्रशासन को उपलब्ध कराएँ।

नदी में डूबने से किशोर की मौत

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के पानापुर रंजीता पंचायत में शनिवार की सुबह नदी में डूबने से एक 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुंशी बाजार वार्ड नंबर 6 के निवासी लालू पासवान के 17 वर्षीय पुत्र अनीश कुमारके रूप में हुई।बताया जाता है कि अनीश सुबह शौच के लिए नदी किनारे गए थे, जहां पैर फिसल जाने के कारण वे गहरे पानी में गिर पड़े और डूब गए।कुछ देर बाद वहां से गुजर रहे एक बकरी चरवाहे ने नदी में शव को तैरते देखा और शोर मचाया। ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और घटना की सूचना परिजनों को दी गई। बेटे की मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। आस्थानिये पंसस पति नागेन्द्र यादव ने बताया कि सुबह बारिश के कारण नदी किनारे की मिट्टी फिसलन भरी हो गई थी, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही हरसिद्धि अंचल के हल्का कर्मचारी कृष्ण मोहन मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से मृतक के परिवार को सरकार से मिलने वाली सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। थाना प्रभारी सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि महिला दरोगा शिखा कुमारी ने मौके पर जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया गया।

वाल्मीकि नगर रेलवे स्टेशन पर मिला शव,अफरा तफरी का महौल

बीएनएम @ बगहा: बगहा गोरखपुर–नरकटियागंज रेलखंड के वाल्मीकि नगर रेलवे स्टेशन पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल हो गया जब लाइन संख्या तीन के पास स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति का शव देखा। इसकी जानकारी तुरंत स्टेशन मास्टर प्रभु नारायण पांडेय को दी गई। स्टेशन मास्टर ने तुरंत इसकी सूचना जीआरपी को दी । सूचना मिलते ही जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शुरुआती जांच में मौत ट्रेन की चपेट में आने से होने की आशंका जताई जा रही है।घटना के दौरान मृतक के मोबाइल पर उनके परिवार का फोन आया, जिसे जीआरपी ने रिसीव कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान नगर थाना क्षेत्र के खोरा परसा गांव निवासी मधुसूदन प्रसाद श्रीवास्तव (उम्र लगभग मध्यवय) के रूप में की। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।मृतक के पुत्र नेहाल श्रीवास्तव ने बताया कि घर में निर्माण कार्य शुरू होने वाला था, जिसके लिए उनके पिता बालू लाने बाइक से गए थे। बारिश के कारण परिजनों ने कई बार उन्हें वापस लौटने की सलाह दी, लेकिन वह नहीं आए। दोपहर तक बातचीत होती रही, लेकिन इसके बाद कॉल संपर्क नहीं हो पाया। शाम को फोन लगा तो जीआरपी ने रिसीव कर मौत की सूचना दी, जिसके बाद घर में अफरा-तफरी मच गई।जीआरपी नरकटियागंज के इंस्पेक्टर राजकुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच जारी है और परिजनों को सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश और पटरियों की फिसलन के कारण हादसे की आशंका भी जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

बरसात में भी डटे बिएलओ, घर-घर पहुंचा रहे मतदाता पर्ची

बीएनएम @बैरिया : बैरिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नौतन विधानसभा क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। दूसरे चरण के तहत 11 नवंबर को मतदान होना है। इसको लेकर BLO (बूथ लेवल ऑफिसर) लगातार घर-घर जाकर मतदाताओं को पहचान पर्चियां वितरित कर रहे हैं। बरसाती और खराब मौसम के बावजूद BLO अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। कई BLO रेनकोट पहनकर, छाता लेकर या भीगते हुए भी मतदाताओं के घर पहुंच रहे हैं ताकि कोई भी मतदाता पर्ची से वंचित न रहे और सभी समय पर मतदान केंद्र तक पहुंच सकें।BLO मजाहिर अनवर और सचिव सक्सेना ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 5 नवंबर तक सभी मतदाताओं को पर्चियां बांट दी जाएंगी। वहीं बैरिया प्रखंड विकास पदाधिकारी कर्मजीत राम ने बताया कि सभी BLO को केंद्रवार मतदाता पर्चियां उपलब्ध करा दी गई हैं और उन्हें शीघ्र वितरण के साथ मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों ने भी BLO की इस मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि जब अधिकारी खराब मौसम में भी अपने कर्तव्य निभा रहे हैं, तो हमें भी मतदान केंद्र तक जरूर जाना चाहिए।

विधायक का पद सोने की अंडा देने वाली मुर्गी के समान : प्रो. पासवान

बीएनएम @ जमुई। जमुई विधानसभा चुनाव को लेकर बुद्धिजीवियों ने राजनीति की हकीकत पर तीखी टिप्पणी की है। केकेएम कॉलेज के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि "विधायक का पद सोने की अंडा देने वाली मुर्गी के समान है, क्योंकि आज राजनीति सेवा नहीं, निवेश बन चुकी है। प्रत्याशी सत्ता पाने के लिए हर रणनीति अपनाते हैं ताकि चुनाव में खर्च किया गया धन कई गुना वसूल हो सके। राजनीति विज्ञान के प्रो. डॉ. देवेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि सच्चा जनप्रतिनिधि वही है जो जनहित के लिए समर्पित हो, न कि सत्ता के लिए प्रेरित। वहीं विपुल कुमार, दिनेश मंडल और सरदार राम ने मतदाताओं से अपील की कि वे सोच-समझकर वोट करें और ईमानदार, सेवा भाव रखने वाले प्रत्याशियों को चुनें। प्रो. संजीव कुमार सिंह व डॉ. निरंजन दुबे ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव प्रत्याशियों की राजनीतिक परीक्षा है। जब राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी, तभी लोकतंत्र मजबूत और समाज विकसित होगा।

एसएसबी द्वारा कराये जा रहे निः शुल्क पलंबिंग और मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स प्रशिक्षण का हुआ समापन

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट के निर्देशन में कराये जा रहे सीमावर्ती क्षेत्रों के बेरोजगार युवकों के लिए हो रहे 20 दिवसीय पलंबिंग कोर्स स्थान - वाइब्रेंट विलेज परसा के सामुदायिक भवन, परसा, महुआवा में और मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स स्थान - वाइब्रेंट विलेज जमुनिया कवैया के सामुदायिक भवन, पिठवा का समापन समारोह सतीश कुमार गुप्ता (उप कमांडेंट) की अध्यक्षता में सीमा चौकी महुअवा के कार्यक्षेत्र के सद्गुरु कबीर महंत राम खेलावन गोस्वामी परियोजना + उच्च विद्यालय, कटकेनवा, छौड़ादानो में किया गया। प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रभारी अशोक कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान 71वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी के सतीश कुमार गुप्ता (उप कमांडेंट) ने सभी प्रशिक्षुओं की बताया कि भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर सीमा के युवक व युवतियों के कौशल विकास हेतु ऐसे प्रशिक्षण सशस्त्र सीमा के माध्यम से दिया जाता है इसमें सीमावर्ती क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीण आकर निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है और अपने को स्वावलंबी बना सकते है। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल के द्वारा कराए जा रहे ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से सभी ग्रामीणों का कौशल विकास हो रहा है। लोग सीमा पर गलत कार्यों को छोड़कर अपने को अच्छे कार्यो में लगाएं और लोग स्वावलंबी बने और साथ ही उससे व्यवसायिक लाभ भी प्राप्त कर सकते है। गलत काम जैसे मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त न हो और एसएसबी के आंख कान बनके ऐसे गलत कार्यों को रोकने में सहयोग करें ताकि देश तरक्की करे। कार्यक्रम में उपस्थित मनोज कुमार थाना अध्यक्ष (थाना महुआवा) ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल के द्वारा कराए जा रहे ऐसे प्रशिक्षणों के माध्यम से सभी ग्रामीणों का कौशल विकास हो रहा है। लोग सीमा पर गलत कार्यों को छोड़कर अपने को अच्छे कार्यों में निहित कर रहे है और लोग स्वालंबी बन रहे है साथ ही उससे व्यवसायिक लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम समापन के बाद सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान प्रमोद कुमार (सहायक कमांडेंट), सारेटा संस्थान मोतिहारी के समन्वयक जितेंद्र प्रताप सिंह, निरीक्षक राज नंदन, निरीक्षक राजकुमार शील तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ प्रशिक्षु प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। स्थानीय सम्मानित प्रतिनिधियों के द्वारा एस.एस.बी. के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण की बहुत ही प्रशंसा की जा रही है।

बेमौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता, फसलें बर्बाद

बीएनएम @ जमुई

खेत में बर्बाद फसल

जमुई जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कटाई के लिए तैयार धान की फसल सबसे अधिक प्रभावित हुई है। कई स्थानों पर खेतों में पानी भर जाने से फसलें गिर गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।किसानों ने बताया कि अधिकांश खेतों में धान की कटाई शुरू हो चुकी थी, लेकिन लगातार बारिश से काम ठप हो गया है। भीगे खेतों में मशीनें नहीं चल पा रही हैं, वहीं गिरे हुए पौधे सड़ने लगे हैं। इससे उत्पादन पर गहरा असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।मौसम में आए अचानक बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे सब्जियों और तिलहन की फसलों पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। टमाटर, सरसों और आलू की बुवाई प्रभावित हो रही है।किसानों का कहना है कि एक ओर बेमौसम बारिश ने मेहनत पर पानी फेर दिया, तो दूसरी ओर मंडियों में पहले से ही फसलों की उचित कीमत न मिलने की चिंता अलग से सताने लगी है। कृषि विभाग के अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं, लेकिन किसानों को तत्काल राहत की उम्मीद कम दिख रही है।ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कराकर जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए, ताकि किसानों को कुछ राहत मिल सके।

जंगल में पेट्रोलियम पाइपलाइन से तेल चोरी का प्रयास

बीएनएम @ जमुई/झाझा

गड्ढा खोदकर तेल चोरी करने का प्रयास

झाझा थानाक्षेत्र के रजला हरना स्थित धिपल पहाड़ी के जंगली रास्ते से होकर गुजरी भारत पेट्रोलियम बरौनी–हल्दिया पाइपलाइन से तेल चोरी किए जाने का प्रयास शनिवार को सामने आया। सूत्रों के अनुसार अज्ञात चोरों ने जमीन के भीतर बिछी तेल पाइपलाइन के ऊपर की मिट्टी खोदकर एक गड्ढा तैयार कर लिया था, ताकि पाइप में सेंध लगाकर तेल निकाला जा सके। सूचना के मुताबिक, बरौनी रिफाइनरी के नियंत्रण कक्ष को पाइपलाइन के दबाव में असामान्यता महसूस हुई, जिसके बाद रिफाइनरी प्रबंधन को संभावित चोरी की आशंका हुई। इस पर परिचालन प्रबंधक शशिकिशोर कांत ने तत्काल झाझा थाना से संपर्क किया। सूचना मिलते ही एएसआई मुकेश सिंह पुलिस बल के साथ रिफाइनरी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे और क्षेत्र का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाइपलाइन के ऊपर खुदाई के स्पष्ट निशान मिले, हालांकि पाइप को क्षति नहीं पहुंची थी। पुलिस और रिफाइनरी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से स्थल की तस्वीरें लीं और साक्ष्य एकत्रित किए। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा इसमें शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है।

तीसरे दिन गोविंदगंज व केसरिया विधानसभा के कर्मियों को किया गया प्रशिक्षित

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन -2025 के सफल क्रियान्वयन हेतु स्वच्छ एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु जिले के कुशल एवं योग्य मास्टर ट्रेनरों द्वारा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रपत्रों, ईवीएम संचालन से जुड़ी हुई तकनीकी जानकारी एवं चुनाव के दौरान विभिन्न प्रकार के होने वाले कठिनाई से बचने की जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षकों के द्वारा मॉक पोल, पीआरओ ऐप, मॉक पोल के दौरान प्रतिस्थापन, पहले मतदाता के मतदान करने के पूर्व शून्य जांच, मतदान प्रारंभ सूचना, वीटीआर, मतदान के दौरान प्रतिस्थापन, 100% वेब कास्टिंग, डायरी एवं विजिट शीट, मतदान समापन एवं अंतिम मिलन कार्यक्रम, सीलिंग एवं पावर पैक का प्रतिस्थापन, पीआरओ एप्प ऑनलाइन असेसमेंट इत्यादि की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रशिक्षण की गुणवत्ता जाँच हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त प्रेक्षक केसरिया एवं सुगौली विधानसभा, केसरिया आरओ सह उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जिला प्रशिक्षण प्रबंधन कोषांग के वरीय नोडल अधिकारी सह एडीएम (जिला लोक शिकायत) शैलेंद्र भारती, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रामजन्म पासवान, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, डीआईओ रविकेश कुमार द्वारा प्रत्येक कमरे की भ्रमण करते हुए जांचोपरांत संतुष्टि व्यक्त की गई साथ ही चुनाव कर्मियों एवं मास्टर ट्रेनरों को आयोग से संबंधित जानकारी को साझा करते हुए समझदारी पूर्ण कार्य करने की सलाह दी गई साथ ही मौके पर वरीय मास्टर ट्रेनर नागेंद्र प्रसाद ,रमेश कुमार, कमलेश कुमार सिंह, उज्जवल नाथ तिवारी, शैलेंद्र मिश्रा, रामेश्वर राम, रानी कुमारी, अंजना कुमारी ,रुमित रौशन, अभिनव आनंद, अरुण सिंह सहित अन्य थे।

थाना बदर किये गये 60 व्यक्ति

लोगों को निर्देशित करते थानाध्यक्ष

बीएनएम @ जमुई/झाझा

क्षेत्र में शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर बलियाडीह गांव के 60 लोग जिसपर 107 लागू किया गया उनलोगों का थाना में बुलाया गया। इस दौरान एसएचओ संजय कुमार के निर्देश पर पुनि. अरविंद कुमार ने चुनाव को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपस्थित लोगों को आदर्श आचार संहिता को अनुपालन कराये जाने को लेकर कड़े निर्देश दिए गए है। उन्होंने लोगों से कहा कि क्षेत्र में चुनाव शांतिपूर्ण हो इसके लिए मतदान के दिन वे लोग मत का प्रयोग करने के बाद अपने अपने घरों में ही रहे। इसके अलावे किसी भी तरह की कोई अफवाह या चुनाव कार्य मे बाधा उतपन्न करने की कोशिश न करे अन्यथा सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावे आदर्श आचार संहिता का पालन करे। कोई भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न करे जिससे कानूनी कार्रवाई हो जाए।

राजद के कार्यकारी जिलाध्यक्ष बने मो.इस्लाम

बीएनएम @ बगहा

राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश नेतृत्व ने बगहा पुलिस जिला के लिए नई जिम्मेदारी सौंपी है। नगर नरैनापुर निवासी मो. इस्लाम को बगहा पुलिस जिला का कार्यकारी जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस संबंध में राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक डॉ० मो. नवाज आलम उर्फ अनवर आलम ने पत्र जारी किया है।उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के परामर्श से मो० इस्लाम को यह जिम्मेदारी दी गई है। पूर्व अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष रैफूल आजम खान को पार्टी विरुद्ध कार्य में अनुशासन हीनता के चलते पार्टी ने उन्हें 6 वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित किया है। मोहम्मद इस्लाम से अपेक्षा की गई है कि वे पार्टी संगठन को सुदृढ़ बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे और दल के संघर्षात्मक व रचनात्मक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। मो० इस्लाम ने कहा कि पार्टी ने जो भरोसा जताया है, उसे पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

जिला प्रशासन एवं एसएसबी ने की समीक्षात्मक बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने हेतु जिला पदाधिकारी सौरव जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात द्वारा पुलिस प्रेक्षक तथा एसएसबी के एडीजीपी के साथ सीमा क्षेत्र में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में चुनाव से 3 दिन पहले भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा को पूर्णतः सील किये जाने के निर्देश दिये गये। सीमा सभी रास्तों एवं 64 चेकपोस्ट पर कड़ी निगरानी हेतु आवश्यक बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है। सीमा के माध्यम से अवैध आवागमन, शराब, नकदी एवं आपत्तिजनक सामग्री के संभावित प्रवाह पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनायी जा रही है। जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के सभी महत्वपूर्ण मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है तथा आदर्श आचार संहिता के सख्त अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। किसी भी प्रकार के उल्लंघन की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई की जा रही है। दोषियों के विरुद्ध कठोर एवं त्वरित प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। जिला प्रशासन आमजन से अपील करता है कि निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करें एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को उपलब्ध कराएं।

संक्षिप्त समाचार

एसएसपी ने सुनी लोगों की समस्याएं

लोगों की समस्याएं सुनते एसएसपी

बीएनएम @ गया जी: वरीय पुलिस अधीक्षक के द्वारा जनता दरबार में आमजनों की शिकायतें सुनी गई। जिसमें कुल 20 लोग अपनी-अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए। वरीय पुलिस अधीक्षक के द्वारा सभी लोगों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना गया और उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

चुनाव आयोग के कैमरे से भारत-नेपाल बॉर्डर की मॉनिटरिंग, कागजात दिखाने के बाद ही भारत सीमा क्षेत्र में प्रवेश

बीएनएम @ पटना। विधानसभा चुनाव को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। पूरे बॉर्डर क्षेत्र में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जयनगर बॉर्डर पर तैनात एसएसबी की 48 वीं बटालियन के द्वारा सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। वहीं भारत-नेपाल बॉर्डर पर स्थायी 10 चेक पोस्ट पर चुनाव आयोग के कैमरा लगे हैं, जिसकी मॉनिटरिंग पटना से की जा रही है। कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने बताया की चुनाव को लेकर मतदान से 72 घंटा पहले बॉर्डर सील कर दिया जाएगा। वर्तमान में खुली बॉर्डर पर दोनों देश के नागरिकों को परिचय पत्र सहित अन्य चीजों के जांच के बाद ही आने जाने दिया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने के उद्देश्य से नेपाल से आने वाले संदिग्ध लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। सभी बॉर्डर पर महिला जवानों की नियुक्ति की गई है जो महिला नागरिकों की गहन जांच कर आने-जाने दिया जा रहा है। सीमा पर चौकसी के साथ गश्त लगाने, अपराधी तत्वों पर निगाह रखने व दोनों देशों से आने-जाने वाले लोगों के आईडी प्रूफ भी चेक किए जा रहे।

चेक पोस्ट पर पैनी निगाह: चुनाव को लेकर सीतामढ़ी से सटी भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एसएसबी के साथ ही नेपाली सुरक्षा प्रहरी के जवान सीमा पर कड़ी चौकसी कर रहे हैं। इसके तहत भिट्ठामोड़, सोनबरसा, परिहार, बैरगनिया, मेजरगंज के मुख्य चेक पोस्ट सहित अन्य पॉकेट रास्तों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। सीमा पर लोगों के पहचान पत्र की जांच भी की जा रही है

वैशाली में राजद विधायक मुकेश रौशन बोले- 'बिहार में राक्षस राज चल रहा है'

बीएनएम @ हाजीपुर। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच मोकामा में दुलारचंद राय की हत्या से राजनीति तेज हो गई है। इस घटना पर वैशाली के महुआ से RJD (राष्ट्रीय जनता दल) के विधायक मुकेश रौशन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा है। मुकेश रौशन ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि, "नीतीश कुमार अनंत सिंह जैसे अपराधी को जेल से निकलवाकर लोगों की हत्या करवा रहे हैं। बिहार में राक्षस राज चल रहा है।" उन्होंने कहा कि सरकार का एक इंजन अपराध में और दूसरा भ्रष्टाचार में चल रहा है।

'हत्या बिहार की वास्तविक स्थिति को दर्शाती है': रौशन ने दुलारचंद यादव को एक सामाजिक कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि उनकी हत्या बिहार की वास्तविक स्थिति को दर्शाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह न तो किसी को फंसाते हैं और न ही किसी को बचाते हैं।

"राक्षस राज" को बदलने का आह्वान: राजद विधायक ने आरोप लगाया कि दुलारचंद यादव की हत्या उनकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण हुई है और यह काम आनंद सिंह और उनके साथियों द्वारा किया गया है। उन्होंने बिहारवासियों से एकजुट होकर "राक्षस राज" को बदलने का आह्वान किया।

हत्याकांड ने चुनावी राजनीति को गर्मा दिया: मोकामा में हुई इस हत्याकांड ने चुनावी राजनीति को गर्मा दिया है। विपक्षी दलों को सरकार पर हमला बोलने का एक बड़ा मौका मिल गया है। रौशन ने इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री गांव-गांव घूम रहे हैं, लेकिन 20 साल के विकास के बारे में नहीं बता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी नेता मंदिर-मस्जिद और जात-पात की बात करते हैं, लेकिन विकास के मुद्दों पर चर्चा नहीं करते।

एनडीए कैंडिडेट की प्रचार गाड़ी क्षतिग्रस्त, हमलावर बोले- इधर सतीश यादव का चुनाव प्रचार मत करना

बीएनएम @ हाजीपुर। राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के बिदुपुर प्रखंड में एनडीए कैंडिडेट सतीश कुमार के प्रचार वाहन को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। यह घटना राजसन इलाके में हुई, जहां कुछ असामाजिक तत्वों ने प्रचार गाड़ी को नुकसान पहुंचाया है।

भाजपा कैंडिडेट की बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षी परेशान: भाजपा कार्यकर्ताओं ने इन घटनाओं के लिए विपक्षी खेमे को जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि भाजपा कैंडिडेट सतीश कुमार की बढ़ती लोकप्रियता के कारण यह प्रतिक्रिया हुई है। कार्यकर्ताओं ने इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है। मुन्ना कुमार ने बताया कि राजसन गांव में एनडीए प्रत्याशी सतीश कुमार यादव के चुनाव प्रचार के दौरान कुछ लोगों ने प्रचार गाड़ी को रोका। उन्होंने खुद को राजद समर्थक बताते हुए कहा कि 'इधर सतीश यादव का चुनाव प्रचार मत करना'। इसके बाद उन्होंने गाड़ी के पोस्टर और बैनर फाड़ दिए। मुन्ना कुमार के अनुसार, असामाजिक तत्वों ने धमकी दी कि यदि वे दोबारा इस तरफ प्रचार के लिए आए, तो उन्हें पीटा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 'गाड़ी का शीशा खोल देंगे और तुम्हारे साथ मारपीट करेंगे'।

अमित शाह हाजीपुर में करेंगे चुनावी सभा, कार्यक्रम से पहले अक्षयवट राय स्टेडियम में जलजमाव

बीएनएम @ हाजीपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज शनिवार को हाजीपुर विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। यह सभा अक्षयवट राय स्टेडियम में आयोजित की जा रही है, जहां वे एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनता से वोट देने की अपील करेंगे। इस जनसभा को लेकर एनडीए कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। मंच निर्माण और सुरक्षा की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं।

पुलिस लाइन में हेलीपैड का निर्माण: जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस लाइन में हेलीपैड का निर्माण किया जा रहा है ताकि अमित शाह का आगमन सुचारू रूप से हो सके। गृह मंत्री के आगमन और सभा को लेकर सदर एसडीओ रामबाबू बैठा, एसडीपीओ सुबोध कुमार एवं सुरक्षाकर्मियों ने सभा स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हेलीपैड निर्माण कार्य, बैरिकेडिंग, मंच, सुरक्षा व्यवस्था और लोगों के सभा स्थल पर आने-जाने के रास्तों का जायजा लिया। सदर एसडीओ और एसडीपीओ ने मौजूद कर्मियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। भाजपा के कई नेताओं ने भी मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। चुनावी मौसम में रुक-रुक कर हो रही बारिश से नेताओं की परेशानी बढ़ गई है। शुक्रवार को बारिश के कारण कई बड़े नेताओं के कार्यक्रम रद्द करने पड़े थे। गृह मंत्री की चुनावी सभा की तैयारी के बीच अक्षयवट राय स्टेडियम में जलजमाव और कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। नगर परिषद के कर्मचारी लगातार बारिश का पानी निकालते दिखे, जबकि पानी और कीचड़ के बीच सभा स्थल पर पंडाल और अन्य तैयारी कार्य जारी रहा।

सासाराम : आपसी रंजिश में दो युवकों को मारी गोली, इलाके में दहशत

पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

बीएनएम @ सासाराम

नगर थाना क्षेत्र के लंबेदार सटेदार गेट के पास शनिवार देर शाम गोलीबारी की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आपसी रंजिश में दो युवकों को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। घायल युवकों की पहचान भवाडीह गांव के प्रियांशु पाठक और हिमांशु के रूप में हुई है। दोनों को तुरंत सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक दोनों युवक कंपनी सराय में किराए के मकान में रहते थे। बताया जा रहा है कि उनका किसी से पुराना विवाद चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि देर शाम कुछ अज्ञात युवक बाइक से आए और बिना कुछ बोले फायरिंग शुरू कर दी। गोली दोनों के हाथों में लगी। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना की

अस्पताल में भर्ती युवक

सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस और एसडीपीओ दिलीप कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से कई खोखे बरामद किए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। एसडीपीओ ने बताया कि हमलावर की पहचान कर ली गई है और जल्द गिरफ्तारी होगी। उन्होंने कहा कि "पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है ताकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके।" घायल युवकों के दोस्त सौरभ तिवारी ने बताया कि प्रियांशु और हिमांशु पर पहले से नजर रखी जा रही थी। "हमलावर पहले से घात लगाकर बैठे थे, जैसे ही दोनों वहां पहुंचे, उन पर गोलियां चला दी गईं," सौरभ ने बताया। फिलहाल पुलिस ने इलाके में गश्ती बढ़ा दी है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं शहर के माहौल को खराब कर रही हैं और प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उधर अस्पताल प्रशासन ने बताया कि दोनों युवक खतरे से बाहर हैं और उनका इलाज जारी है।

भीषण आग में दो घर जलकर राख

बीएनएम @ बैरिया

बैरिया अंचल क्षेत्र के लौकरिया वार्ड नंबर 9 में शुक्रवार की रात्रि अचानक आग लगने से मोदाम मियां के दो फूस के घर जलकर राख हो गए। बताया जाता है कि देर रात सभी परिजन घर में सोए हुए थे, तभी अचानक आग की लपटें उठने लगीं। जब तक गृहस्वामी और ग्रामीण कुछ समझ पाते, आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों घर पूरी तरह जल चुके थे। आग में कपड़े,बर्तन, अनाज, बिस्तर समेत घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना की जानकारी स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है। पीड़ित परिवार पूरी तरह बेघर हो गया है और प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है।

हाई टेंशन तार गिरने से टेंपो जलकर राख

बीएनएम @ बैरिया

बैरिया प्रखंड क्षेत्र के सिसवा सरैया पंचायत के ओझावलिया गांव में शुक्रवार की देर रात करीब 11 बजे बिजली के हाई टेंशन तार के टूटकर गिरने से बड़ा हादसा टल गया। अचानक गिरे तार की चपेट में आकर गांव निवासी धनेश चौधरी का टेंपो जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि टेंपो उनके दरवाजे पर खड़ा था, तभी तार टूटकर उस पर गिर पड़ा, जिससे टेंपो की वायरिंग और चक्का जल गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी, जिसके बाद लाइन काटी गई। ग्रामीणों ने विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जर्जर तारों के बावजूद विभाग ध्यान नहीं दे रहा, जिससे आए दिन खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यदि यह घटना दिन के समय हुई होती तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। वहीं, बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता राजीव कुमार ने बताया कि आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया जा रहा है और विद्युत आपूर्ति जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सौभाग्य से इस घटना में किसी की जान नहीं गई, लेकिन लोगों में विभागीय लापरवाही को लेकर रोष व्याप्त है।

चक्रवात 'मोन्था' ने बिगाड़ी सियासत की उड़ान

हेलिकॉप्टर ग्राउंडेड – सड़क और वर्चुअल रास्ते से जारी रहेगा प्रचार

बीएनएम @पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच चक्रवात 'मोन्था' ने नेताओं की चुनावी उड़ान पर रोक लगा दी है। राज्य में तेज बारिश और हवाओं के चलते सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की रैलियों और सभाओं पर असर पड़ा है। पटना, बेगूसराय, छपरा, समस्तीपुर और बेतिया समेत कई जिलों में मौसम ने प्रचार की रफ्तार थाम दी है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है।खराब मौसम के कारण पटना एयरपोर्ट पर नेताओं के एक दर्जन से अधिक हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सके। हवा की रफ्तार और दृश्यता में कमी की वजह से सभी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। एयरपोर्ट पर हेलिकॉप्टरों की कतार लगी रही और पायलटों को मौसम सुधरने का इंतजार करना पड़ा।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी

अपने हवाई कार्यक्रम रद्द करने पड़े। उनका आज बेनीपट्टी, खजौली, परिहार, रीगा, कुढ़नी, बरूराज, राघोपुर और पातेपुर में सभा करने का कार्यक्रम था, लेकिन अब वे सड़क मार्ग से सीमित स्थानों पर पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने सुरक्षा और यात्रा समय को देखते हुए विशेष इंतजाम किए हैं।वहीं राजद नेता तेजस्वी यादव ने मौसम की स्थिति को देखते हुए अपनी प्रचार रणनीति बदल दी है। उन्होंने कई जिलों की सभाएं रद्द कर वर्चुअल माध्यम से जनता से जुड़ने का फैसला लिया है। राजद कार्यालय में तकनीकी टीम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद की तैयारी का जिम्मा सौंपा गया है।तेज बारिश के चलते कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की खगड़िया की सभा और भोजपुरी स्टार पवन सिंह की मनेर के बिहटा में प्रस्तावित सभा भी स्थगित करनी पड़ी। मौसम ने नेताओं की उड़ान भले थाम दी हो, लेकिन अब सियासत सड़क और स्क्रीन दोनों पर चलती दिख रही है।

चुनाव आयोग कहां है? क्या वह मर गया ? : तेजस्वी

» मोकामा हत्याकांड पर तेजस्वी का तीखा हमला

बीएनएम @ पटना

मोकामा में जन सुराज पार्टी समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या ने चुनावी वातावरण को उत्तेजित कर दिया है और विपक्षी नेताओं ने प्रशासन व चुनाव आयोग पर कड़ी टिप्पणियां की हैं। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच घटना पर आरजेडी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सीधे आरोप लगाए कि सिस्टम और संस्थाएं राजनीतिक संरक्षण में काम कर रही हैं और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। तेजस्वी ने बीमार मौसम के चलते हेलिकॉप्टर नहीं उतर पाने के बाद साहेबगंज के कार्यकर्ताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भौतिक रूप से वे वहां नहीं आ सके, पर विचार और इरादा अडिग है। उसी बैठक में उन्होंने मोकामा कांड का संदर्भ देते हुए पूछा कि कैसे नामजद एफआईआर के बावजूद आरोपी खुलेआम थाने के

राजद नेता तेजस्वी यादव

सामने घूमकर प्रचार कर रहे हैं और चुनाव आयोग मौन क्यों है। उन्होंने चुनाव आयोग पर तीखा कटाक्ष किया: "चुनाव आयोग कहां है? क्या चुनाव आयोग मर गया है?" और आरोप लगाया कि अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। प्रशासन और चुनाव आयोग पर राजनीतिक दबाव बढ़ने के बीच आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बिहार के डीजीपी से रिपोर्ट तलब की है और स्थिति की उच्च स्तरीय समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव और सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मोकामा हत्याकांड न सिर्फ स्थानीय राजनीति बल्कि समूचे चुनावी माहौल को प्रभावित कर रहा है। विपक्ष इसे कानून-व्यवस्था में विफलता और सत्ता संरक्षित गुंडागर्दी का प्रमाण बता रहा है, जबकि समर्थक धड़ों में घटना को लेकर तीखी बहस जारी है। चुनाव के बीच ऐसी घटनाएं प्रचार की दिशा बदलने का मौका भी देती हैं और पुलिस-न्याय प्रक्रिया तथा चुनाव आयोग की सक्रियता पर निगाहें तेज कर देती हैं।

बसपा नेताओं का भाजपा में शामिल होना बना बड़ा सियासी संदेश

कई दलों ने भी एनडीए को दिया समर्थन

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच एनडीए को लगातार नए सहयोगी मिल रहे हैं। शनिवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश पांडेय अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। पटना स्थित भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। उन्होंने कहा कि बसपा नेताओं का भाजपा में आना शाहाबाद क्षेत्र में संगठन की मजबूती का प्रतीक है।डॉ. जायसवाल ने कहा कि ओम प्रकाश पांडेय और उनके साथ आए कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "विकसित भारत" की सोच और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकास योजनाओं से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इन नेताओं के जुड़ने से शाहाबाद समेत आसपास के जिलों में भाजपा की पकड़ और मजबूत होगी।इसके साथ ही भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि

कई अन्य दलों ने भी एनडीए को समर्थन देने का एलान किया है। सुहेलदेव भारतीय जनसेवा दल, राष्ट्रीय रक्षा सेना पार्टी और संत रामपाल जी महाराज के बिहार में मौजूद अनुयायियों ने एनडीए प्रत्याशियों को समर्थन देने की घोषणा की है। राष्ट्रीय रक्षा सेना पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार यादव और उपाध्यक्ष नूर अहमद ने अपने कार्यकर्ताओं से एनडीए उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।डॉ. जायसवाल ने कहा कि "प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर जो भरोसा जनता और संगठनों ने दिखाया है, वह एनडीए की लोकप्रियता और विश्वसनीयता का प्रमाण है।" उन्होंने कहा कि एनडीए का "संकल्प पत्र" सिर्फ घोषणाओं का दस्तावेज नहीं बल्कि बिहार के भविष्य के प्रति एक ईमानदार प्रतिबद्धता है।राजद और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि "महागठबंधन अभी तक अपना घोषणा पत्र जारी नहीं कर सका है, जबकि जनता को ठोस नीति चाहिए, न कि भ्रम फैलाने वाले वादे।" उन्होंने कहा कि जनता अब दोनों गठबंधनों के "संस्कार और सोच" को भलीभांति समझ चुकी है—एक ओर विकास और स्थिरता का एनडीए है, तो दूसरी ओर असमंजस में घिरा महागठबंधन।

जू का टाइम आज से बदल जाएगा सुबह 6 से शाम 5 बजे तक ही खुलेगा

बीएनएम @ पटना

पटना के चिड़ियाघर समेत सभी पार्कों के खुलने और बंद होने का समय आज से बदल गया है। पटना जू अब सुबह 6 से शाम 5 बजे तक खुला रहेगा। यह बदलाव फरवरी तक रहेगा। बढ़ती ठंड को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मॉर्निंग वॉक करने का समय 9 बजे तक होगा। इसके बाद आम लोगों के लिए काउंटर खोले जाएंगे। सभी पार्क सुबह 5:30 से शाम 7:30 बजे तक खुले रहेंगे। ठंड के कारण ईको पार्क सहित राजधानी के 30 पार्कों के खुलने और बंद होने के समय में बदलाव किया गया है।

ठंड में बढ़ जाती है दर्शक की संख्या: हर साल ठंड के मौसम को देखते हुए समय में बदलाव किया जाता है। गर्मी के दिनों में पटना जू सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है। मगर ठंड में सुबह और शाम में एक-एक घंटे समय में कटौती की जाती है। सुबह 5 बजे और शाम 6 बजे अंधेरा हो जा रहा है। इसके चलते पटना जू के समय में परिवर्तन किया जाता है। पटना जू में हर दिन औसतन 6 हजार विजिटर्स आते हैं जो की ठंड में बढ़कर 8-9 हजार हो जाते हैं। जू में प्रति वयस्क 50 रुपए और प्रति शिशु 20 रुपए प्रवेश शुल्क लगता है। इसके अलावा नौकायान, शिशु उद्यान, मछलीघर, आदि का अलग से शुल्क लगता है।

ठंड में जानवरों के खान-पान पर रखा जाता है विशेष ध्यान: इधर, ठंड बढ़ने का असर जानवरों पर भी दिखने लगा है। जू प्रशासन ठंड में जानवरों की देखभाल और उनके खान-पान पर विशेष ध्यान दे रहा है। शीतलहर से पहले सभी जंगली जानवरों के केज में हीटर और बल्ब लगा दिया जाएगा।

क्षत- विक्षत अवस्था मे युवक शव मिला

घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी व अन्य

बीएनएम @ जमुई/झाझा

रजला नारगंजो मुख्य रेलखंड के पोल संख्या 359/26 अप लाइन के पास रेलवे लाइन के किनारे क्षत विक्षत अवस्था मे एक युवक का शव शनिवार को मिला। लोगों के द्वारा शव देखे जाने के बाद आरपीएफ, जीआरपी एवं झाझा थाना को दिया। रेलवे सीमाक्षेत्र से बाहर होने के कारण झाझा थाना के एसआई दीपक कुमार, धर्मेंद्र कुमार दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और फिर शव की शिनाख्त को लेकर आसपास के क्षेत्रों में पता लगाया गया तो शव की शिनाख्त हुई। मृतक की पहचान घोरमारा गांव के रहने वाले गोकुल यादव का 25 वर्षीय पुत्र सुरेंद्र यादव के रूप में हुई। जिसके बाद परिजनों को पुलिस ने सूचना दिया। सूचना मिलने पर परिजन घटना स्थल पर पहुंचे। परिजनों के अनुसार सुरेंद्र अपने ससुराल करहरा से घर लौट रहा था। इधर पुलिस मृतक के परिजनों से हर बिंदुओ पर पूछताछ करने के बाद कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेजकर छानबीन की प्रक्रिया में जुट चुकी है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जातीय गणित पर टिकी रणनीति

स्टार प्रचारक बनेंगे 'जातीय संदेशवाहक'

बीएनएम @ दरभंगा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राजनीतिक दलों की रणनीति विकास के नारों से आगे बढ़कर जातीय समीकरणों पर केंद्रित हो गई है। यह बदलाव महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2015 में 'सामाजिक न्याय' और 2020 में 'विकास' प्रमुख चुनावी मुद्दे थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार की राजनीति से जाति कभी पूरी तरह गायब नहीं हुई, और 2025 का चुनाव इसका प्रमाण है कि प्रत्याशी का चयन, प्रचार और स्टार प्रचारकों की तैनाती जातीय जनसंख्या को ध्यान में रखकर की जा रही है।

मिथिला की 10 सीटें: जातीय संतुलन की जंग- दरभंगा जिले की 10 विधानसभा सीटों (बेनीपुर, जाले, अलीनगर, दरभंगा शहर, हनुमाननगर, बिरौल, घनश्यामपुर, गौड़ाबौराम, कुशेश्वरस्थान और सिंहवाड़ा) पर जातीय संतुलन सियासी समीकरण तय कर रहा है।पिछला परिणाम: 2020 में एनडीए ने इनमें से 9 सीटें जीती थीं।सीधा टकराव:बेनीपुर: भाजपा और जदयू दोनों ने ब्राह्मण प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि निर्दलीय अवधेश झा की मौजूदगी से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।जाले: जीवेश कुमार और ऋषि मिश्रा के बीच सीधा मुकाबला है, और दोनों एक ही जातीय पृष्ठभूमि से आते हैं।निर्णायक मतदाता: दरभंगा जिले में यादव, ब्राह्मण, बनिया और मुस्लिम मतदाताओं की संख्या निर्णायक है।

जातीय गोलबंदी: दलों की रणनीति

- गठबंधन/पार्टी चुनावी फोकस प्रचारक के उदाहरण
- एनडीए (भाजपा-जदयू) ब्राह्मण-बनिया एकजुटता पर भरोसा। मैथिली ठाकुर, गिरिराज सिंह (ब्राह्मण और वैश्य नेताओं को मिथिला में भेजा गया)
- महागठबंधन (राजद-कांग्रेस) यादव-मुस्लिम समीकरण को मजबूत करना। विनोद मिश्रा, तेजस्वी यादव (यादव और मुस्लिम समुदाय के नेताओं को सीमांचल और उत्तर बिहार में झोंका)
- जन सुराज पार्टी प्रशांत किशोर (स्वयं ब्राह्मण) के माध्यम से जातीय राजनीति में तीसरा विकल्प बनने की कोशिश।

निष्कर्ष और भविष्य

- विश्लेषकों की राय: अगर महागठबंधन का यादव-मुस्लिम वोटबैंक और एनडीए की ब्राह्मण-बनिया एकजुटता बरकरार रहती है, तो नतीजे बेहद करीबी हो सकते हैं। जन सुराज जैसे तीसरे विकल्प का उभरना समीकरणों को और उलझा सकता है।आम मतदाता: मतदाता आज भी विकास, रोजगार और शिक्षा की चर्चा करते हैं, लेकिन मतदान के समय जातीय पहचान निर्णायक हो जाती है ("विकास सबको चाहिए, लेकिन वोट उसी को देंगे जो अपना लगता है")।अंतिम परिणाम: यह चुनाव इस बात का प्रमाण है कि बिहार की राजनीति में जाति अब भी सबसे मजबूत धुरी है। 2025 का चुनाव 'पहचान' की राजनीति की ओर वापसी साबित हो सकता है, जहाँ नारे कुछ और होंगे, लेकिन वोट जाति के आधार पर ही गिरेंगे।

अधिकारों को लेकर हाईकोर्ट-सुप्रीम कोर्ट आमने-सामने

देश की न्यायपालिका लोकतंत्र का सबसे मज़बूत स्तंभ है, इन दिनों अधिकारों को लेकर एक गंभीर टकराव के दौर से हाईकोर्ट गुज़र रही हैं। पिछले एक दशक में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के जजों के अधिकार सुप्रीम कोर्ट के जजों ने अपने पास लेने की जो कोशिश की है। उसका अब हाई कोर्ट के जज खुलकर विरोध कर रहे है हाईकोर्ट के न्यायधीशों के अधिकारों की लड़ाई खुलकर सामने आ गई है। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायधीशों को एक समान अधिकार हैं। हाईकोर्ट अपने क्षेत्राधिकार में मामलों की सुनवाई करता है। सुप्रीम कोर्ट मुख्य रूप से हाईकोर्ट से जो फैसले होते हैं उनकी अपील यदि सुप्रीमकोर्ट में होती है तो उनकी सुनवाई करता है। सुप्रीम कोर्ट को हाई कोर्ट के निर्णय की समीक्षा कर आदेश देने का अधिकार है लेकिन सुप्रीम कोर्ट स्वयं राज्यों के मामले सुनाने लगे यह कहीं से भी उचित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा जा रहा है राज्यों के हाईकोर्ट में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट अपने पास बुला लेता है और कई वर्षों तक उस पर सुनवाई नहीं करता है कई मामलों में तो यह भी शिकायत आती है सुप्रीम कोर्ट कुछ ऐसे मामलों को अपने पास बुला लेता है जिसमें आर्थिक एवं राजनीतिक समीकरण प्रभावित होते हैं। न्यायपालिका का यह टकराव न केवल संवैधानिक मर्यादाओं पर हमला है। बल्कि न्याय व्यवस्था की संवैधानिक अधिकारिता पर भी सवाल उठाने लगा है। हाल ही मे इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा, सुप्रीम कोर्ट को "हैंड्स ऑफ अप्रोच" यानी हस्तक्षेप न करने का रवैया अपनाना चाहिए। हाईकोर्ट का तर्क है, जिला न्यायपालिका की नियुक्ति, सेवा नियम और अनुशासन पर संबंधित हाईकोर्ट और राज्य सरकार का नियंत्रण अनुच्छेद 227(1) के तहत सुनिश्चित है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट का दखल हाईकोर्ट के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी।आर। गवई का कहना है,अगर अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (AIJS) जैसी नीतियां लागू करनी हैं। तो एक समान ढांचा बनाने में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस तरह के कई मतभेद संस्थागत संघर्ष का रूप ले चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि वह हाईकोर्ट को नियंत्रित करने का अधिकार रखती है।देश मे न्यायिक एक रूपता आवश्यक है। विभिन्न प्रदेश के विभिन्न प्रदेश के हाईकोर्ट इसे अपने अधिकार क्षेत्र पर अतिक्रमण मानते हैं। दोनों पक्ष अपने-अपने संवैधानिक तर्कों के साथ अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। यही रुख न्यायपालिका की गरिमा के लिए हानिकारक साबित हो रहा है। पिछले एक दशक में ऐसे सैकड़ो मामले सामने आ चुके हैं जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में जिन मामलों में सुनवाई चल रही थी। उसे अपने पास बुलाकर अपने तरीके से निर्णीत करना शुरू कर दिया। जबकि हाईकोर्ट ने उस मामले में कोई फैसला ही नहीं दिया था।स्थिति तब और जटिल हो गई, जब सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए कहा, अगर कोई मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

जानलेवा प्रदूषण, सरकारों की शर्मनाक नाकामी

ललित गर्ग

भारत की वायु में जहर घुल चुका है। हाल ही में चिकित्सा जनरल में प्रकाशित एक अध्ययन ने यह निष्कर्ष दिया है कि 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस वृद्धि का परिणाम यह हुआ कि भारत में सत्रह लाख से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मानवता की उस सांस का हिसाब है जो हमारे शहरों, गांवों और जीवन से हर दिन छीनी जा रही है। प्रदूषण अब केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह गया है, यह हमारे विकास, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय के ढांचे पर गहरी चोट कर रहा है। यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप लेते हुए जानलेवा हो गया है, क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं। यह न केवल सरकार की शर्मनाक नाकामी है बल्कि भयावह और बेहद दर्दनाक भी है। 'द लेंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ ऐंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट केवल तथ्य नहीं, एक गंभीर चेतावनी है। लैंसेट की रिपोर्ट ही नहीं, अलग-अलग वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययनों ने भी कुछ इसी तरह के चिन्ताजनक आंकड़े पेश किए हैं। भारत की विशाल आबादी के कारण भी यह संख्या बड़ी हो सकती है, मगर यह समस्या गंभीर चिंतन और तत्काल निवारक कदम उठाए जाने की मांग करती है। भारत में प्रदूषण केवल औद्योगिक उत्पादन या वाहनों की बढ़ती संख्या से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, असंतुलित शहरीकरण और अनियोजित निर्माण से भी बढ़ रहा है। हर शहर में धूल, धुआं और अव्यवस्था की परतें जमी हैं। निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, खेतों में पराली जलाने की आदत, घरेलू ईंधनों का अंधाधुंध उपयोग और बढ़ते वाहनों की भीड़-ये सब मिलकर वातावरण को घुटनभरा एवं जानलेवा बना रहे हैं। हमारे शहर अब सांसों के शत्रु बन गए हैं। बढ़ते प्रदूषण की पीड़ा नीति-निर्धारकों से नहीं, उन लोगों से पूछिए, जो खांसते-खांसते बेदम हो जाते हैं और आखिरकार कई के फेफड़े-हृदय उनका साथ देना बंद कर देते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से ज्यादातर उस गलती की सजा भुगतने को अभिशप्त हैं, जो उन्होंने नहीं की। वायु में मौजूद सूक्ष्म कण अब हर सांस में जहर बनकर प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों ने न केवल हवा को जहरीला बनाया है बल्कि हमारे अस्तित्व की नींव को भी कमजोर कर दिया है। इन स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन के कारण लाखों लोग असमय काल के ग्रास बन रहे हैं, लेकिन ऊर्जा नीति में सुधार की गति अत्यंत धीमी है। सरकारें बार-बार स्वच्छ ऊर्जा की बात करती हैं, योजनाएं बनाती हैं, लक्ष्य घोषित करती हैं, पर उनका क्रियान्वयन न के बराबर होता है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस प्रदूषण के शिकार सबसे अधिक वे लोग हैं जो इसके निर्माता नहीं हैं। गरीब मजदूर, झुग्गियों में रहने वाले, बच्चे और बुजुर्ग-ये सभी उस वायु के दंश झेल रहे हैं जिसका लाभ अमीरों ने उठाया है। एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, अमीर तबके का प्रदूषण में योगदान अत्यधिक है। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की 'जलवायु असमानता रिपोर्ट 2025' बताती है कि विश्व के सबसे धनी लोग अपनी संपत्ति और निवेशों के माध्यम से जलवायु संकट को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 41 प्रतिशत के लिए निजी पूंजी जिम्मेदार है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रदूषण का असली निर्माता संपन्न वर्ग है, जबकि उसकी कीमत गरीब वर्ग अपनी सांसों और जीवन से चुका रहा है। यह असमानता केवल आय की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय की भी है। अमीरों के पास बड़े वाहन हैं, विशाल भवन हैं, आलीशान जीवनशैली है, और वे जीवाश्म ईंधनों पर आधारित उद्योगों में निवेश करते हैं। दूसरी ओर, गरीबों के पास न तो स्वच्छ ऊर्जा है, न शुद्ध हवा। जो अमीर लोग निजी विमानों और विलासितापूर्ण संसाधनों का उपयोग करते हैं, वे एक सामान्य नागरिक की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। यह असंतुलन हमारे समाज को विषमता और अन्याय की ओर धकेल रहा है। सरकारों की नीतिगत विफलता इस त्रासदी का दूसरा बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के

लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए 'आपात कदम' उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा 'महंगा विकल्प' बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है। वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे। नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जब तक जनता स्वयं इस समस्या को अपने जीवन का हिस्सा मानकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक राजनीतिक इच्छाशक्ति जागृत नहीं होगी। हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि प्रदूषण से बचाव केवल मास्क लगाने से नहीं होगा, बल्कि सोच और जीवनशैली बदलने से होगा। वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। आज आवश्यकता है एक ऐसी राष्ट्रीय चेतना की, जो कहे कि हवा किसी वर्ग की नहीं, समस्त जीवन की संपत्ति है। जब तक यह चेतना जागृत नहीं होती, तब तक हर आंकड़ा, हर रिपोर्ट और हर योजना केवल दस्तावेज बनकर रह जाएगी, और भारत की हवाएं यूं ही जहर बनती रहेंगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा।

बिहार की रैलियों में मोदी और राहुल का वार-पलटवार

कांतिलाल मांडोत

बिहार विधानसभा चुनाव की छपरा और मुजफ्फरपुर की रैलियों में मोदी ने कहा कि जंगलराज की पहचान पांच शब्दो से होती है।मोदी और राहुल ने वार पलटवार किया।मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार में राजद और कांग्रेस के पांच शब्द बिहार की राजनीति में फलफूल रहे है।कट्टा,क्रूरता, कटुता,कुशासन और करप्शन से विपक्ष की पहचान है।मोदी ने कहा कि छठ पूजा का अपमान कभी नही सहेंगे।राहुल ने मुजफ्फरपुर और छपरा की सभा के दौरान अंतराष्ट्रीय मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोदी ट्रम्प को जवाब देने से डरते है।डर शब्द का उपयोग, वो भी मोदी के लिए करने के बाद राहुल देश के युवाओ के निशाने पर है।युवा देश की धड़कन है।युवाओ की पहली पसंद नरेंद्र मोदी है।मोदी ने कई बार कहा है कि यह छप्पन की छाती है।उसके बाद राहुल मोदी पर डर और भय की बात करके सुर्खिया बटोर रहे है।मोदी ने अपनी सभा मे कहा कि बिहार के नौजवानों का सपना ही मेरा संकल्प है।राहुल अपना ही अध्याय लिखने के लिए तत्पर है।देश मे कांग्रेस की खोई हुई विरासत वापस पुनः प्राप्त करने का जिम्मा राहुल को सौंप रखा है।वे मिशन पर निकल पड़े है।गांधी खानदान की उपलब्धियों से लैस राहुल मैदान में उतरकर विश्व नेता मोदी की काट कर राजनीति के गलियारों तक पहुंचने की भरपूर कोशिश कर रहे है।मोदी पर निशाना साधने से कांग्रेस दिनोंदिन खिसक रही है।कांग्रेस को चाहिए कि लोकसभा का चुनाव न होकर विधानसभा का चुनाव बिहार में हो रहा है।इसलिए कांग्रेस को वार-पलटवार मुख्यमंत्री पर किया जाना चाहिए।लेकिन कांग्रेस की सुषुप्त अवस्था जनाधार खत्म करने के पदपर अग्रसर है।कांग्रेस आरोप लगाती है।लेकिन तथ्यात्मक पहलू पेश नही करती है।इसलिए वे जूठे और फरेबी आरोप होते है।राहुल के जातिविहीन समाज के मुद्दे उठाना और मोदी पर बेबुनियाद आरोपो की झड़ी लगाना राहुल और कांग्रेस की फितरत बन गई है।कांग्रेस ने कभी यह नही सोचा है कि आखिर नरेंद्र मोदी को पूरी दुनिया सम्मान क्यों दे रही है?अगर कांग्रेस के जेहन में यह सबकुछ आ जाता है तो कांग्रेस की खोई हुई ताकत और विरासत को थोड़ा बहुत खाद पानी मिल सकता है।राहुल को पता लगने से पहले ही वे कुछ कुछ ऐसा बोल देते है,जो चुनाव में मुद्दा बन जाता है।कांग्रेस की विरासत थामे राहुल को अपने मन की कहने के लिए गांधी परिवार के इस वारिस को स्वतः स्फुर्तता की कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी।बिहार को शिक्षा का केंद्र मानने वाली कांग्रेस ने सदियों से चली आ रही वैदिक संस्कृति को पाठ्यक्रम से ही गायब कर दिया।कांग्रेस का तुष्टिकरण प्रेम आज जड़ो से अलग करने का कार्य कर रहा है ।राहुल ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में कांग्रेस ने उतार दिया है।कांग्रेस बचाने के लिए राहुल और प्रियंका को केंद्र में रखा जा रहा है।कांग्रेस को गांधी परिवार से उम्मीदे बेहिसाब है। कांग्रेस ने राहुल को आगे करके कांग्रेस की पतवार थामने का जिम्मा सौंपा है।लेकिन सतारूढ़ उनकी राजनैतिक परिपक्वता पर हर समय अंगुली उठाता आ रहा है।और यह इसलिए सही है कि उनकी रुचि भोजन बनाने,नाश्ता तैयार करने,यात्रा निकालने, जूठे आरोप लगाने और तथ्य बिना भाषण देने जैसे कार्य देश की अनास्था को बढ़ावा दे रहा है।राहुल और कांग्रेस के पास विकास के मुद्दे नही है।कांग्रेस कभी यह नही कहती है कि हम सत्ता में आने के बाद जनता के लिए वो कार्य करेंगे।देश की आलोचना करना और संविधान की किताब जगह जगह प्रदर्शित करना कांग्रेस को पीछे धकेल रही है।उनके कथन मुस्लिम अल्पसंख्यक को लुभाने के लिए पर्याप्त है।देश को साथ लेकर चलने की उनकी नियति कभी सुनने को नही मिली है।राहुल बेहतरीन प्रदर्शन कार्ड है और बिहार को देने के लिए यही सब कुछ है।जहाँ कांग्रेस सब कोई ताकत नही रही है।इनके पुरखो ने आजादी के बाद सबसे ज्यादा शासन किया।जबसे ईवीएम चलन में आया है तब से कांग्रेस पराजय हो रही है।इसलिए कांग्रेस को पुरानी पद्धति से चुनाव कराना ठीक लगता है।क्योंकि बुच कैप्चरिंग और फर्जी वोटो की कहानी हम हर चुनाव के बाद अखबारों में पड़ते थे।जब से निर्वाचन आयोग का गठन हुआ है,तब से चुनाव प्रक्रिया में सुधार हुआ है।अब एक वोट भी फर्जी तरीके से नही डाला जा सकता है।और न कोई फेरफार सम्भव है।कांग्रेस एक ऐसी विरासत थी,जिसका लोकतंत्र में कोई सानी नही था।दरअसल,कांग्रेस को गांवो में हाथ वाली सरकार कहते थे।लेकिन जब से जातिवाद का पंजा फैलने लगा है।उसके बाद तुष्टिकरण की राजनीति में बहुत फर्क आ रहा है।जनता सुशासन चाहती है। राहुल नरम हिन्दुत्व के साथ पींगे बढ़ाने के लिये माहिर है।मोदी ने अपनी सभा मे राहुल ने शिक्षा पर उठाए गए सवाल पर मोदी ने कहा कि बिहार में हमारी एनडीए सरकार का संकल्प है कि बिहार में पढ़ाई,कमाई,दवाई व सिंचाई के मौके उपलबन्ध हो।राजद पर पांच क का निशाना साधा।मोदी ने कहा कि दोनों युवराज जमानत पर और सत्ता के लालच में दोनो साथ साथ है।चीनी लोग मैड इन बिहार की बात करने वाली कांग्रेस इतने वर्षों तक बिहार और देश के लिए विकास क्यो नही किया?राहुल ने नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इतने साल सत्ता में रहकर क्या किया।निशाना साधने वाले कभी अपनी सरकार पर नजर डालकर देखे कि देश मे 60 साल शासन करने के बाद भी कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह को विदेश में तवज्जो नही दी जाती थी।आज हमारी प्रखर विदेश नीति के तहत दुनिया झुक रही है।यही तो सुशासन की कड़ी है। राहुल का मकसद अस्थायी समाधान तलाशना नही है।कभी राहुल मुख्यमंत्री भी बन जाते,लेकिन उनको सीधा प्रधानमंत्री बनना है।उस दौर में बहुत अवसर थे।लेकिन अब कुंडली मार कर बैठे विकास पुरुष की वजह से केंद्र में कांग्रेस के शासन करने का समय बीत चुका है।कांग्रेस के प्रचार में सुस्ती की परत झाड़कर राहुल को तेज बनाने की कोशिश की जा रही है।राहुल के नीरस ब्यौरे तथा भीड़ भी घिसेपिटे डायलॉग से उकता चुकी है।शुरुआत में राहुल का भाषण कॉलेज में वाद विवाद में भाग ले रहे है जैसा लगता था।लेकिन इतने वर्षों के बाद भी भाषण की शैली उस तरह की है जो समझने वाले ही समझ सकते है।उनके भाषण में आज भी वजन नही है। मंच पर राहुल आज भी पहली बने हुए है।राजनीति के चलते उग्र भाषण पेल देते है।राहुल का कूदना कांग्रेस के लिए जरूरी था।लेकिन कांग्रेस की उम्मीदों पर से उस समय पानी फिर गया,जब सतारूढ़ पार्टी के विकास को राहुल चुनौती नही दे सके।राहुल अब बिहार को अपनी कर्मभूमि बनाने की सोच रहे है तो भी कांग्रेस का केंद्र में राज करने का समय नही है।देश मे विकास का उभार को देखते हुए अब जनता ज्यादा भरोसा नही कर सकती है।सतारूढ़ का विकास और देश की बढ़ती इकोनामी के साथ कानून व्यवस्था आदि पर जनता का भरोसा बढ़ता जा रहा है।कांग्रेस के लिए ठीक है।लेकिन राहुल गांधी अपने पुरखों की समृद्ध की गई पठकथा पढ़ कर सुना रहे है।आज भी देश समझता है कि राहुल नौशिखिया ही है।अपनी दादी ने सिंडिकेट के घाघ बूढो को मात देकर वे उनके साये में निकल आयी।राहुल का स्थान कहा पर है इसका अंदाजा कांग्रेस के सिवा कोई नही लगा सकता है।

मेष राशिः आज किसी भी काम को पूरा करने में जल्दबाजी ना करें, नहीं तो उस काम में कुछ कमियां रह जायेंगी। स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में कम और मोबाईल पर ज्यादा रहेगा। आज आप अपने फिजूल खर्चों पर काबू बनाये रखें। आज कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए आपके मन में कुछ नए आइडिया आयेंगे। संतान पक्ष की ओर से खुशखबरी मिलेगी।

वृष राशिः आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। पहले से ही किये हुए निवेश का आज आपको फायदा मिलेगा। आज आप किसी खास मित्र की मदद करेंगे। आज आपके कारोबार में बड़ा बदलाव आयेगा। लम्बे समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधित समस्या से छुटकारा मिलेगा। आज आप अपने मेहनत से कठिन से कठिन कार्य को पूरा करने में सफल होंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आप आपने भविष्य को आगे बढ़ाने की योजनाओं पर ध्यान देंगे। आज के दिन कोई करीबी रिश्तेदार आपकी खुशियों को दोगना कर देगा। आज घर के बड़ों का सहयोग आपके साथ रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी के नए अवसर प्राप्त होंगे। आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बीतेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको अपनी बचत में से कुछ पैसा निकालने की जरूरत पड़ सकती है। आज आप अपने बच्चों को कुछ अच्छा सिखा सकते हैं, जो उनके भविष्य में उन्हे काम आयेगा। आज जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते अच्छे बनेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होंगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके सभी काम आसानी से पूरे होंगे।

सिंह राशिः आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आज आप जिस काम को पूरा करने की कोशिश करेंगे, वो आसानी से पूरा हो जायेगा। किसी दोस्त से मुलाकात आपको फायदा दिला सकती है। आज परिवार के लोगों के बीच मधुरता बढ़ेगी। आज आप अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए थोड़ा अधिक प्रयास करेंगे, इसमें पिता का सहयोग आपको प्राप्त होगा।

कन्या राशिः आज कामकाज के बारे में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दूसरों की सलाह पर ध्यान देंगे, तो वह आपके लिये फायदेमंद साबित होगा। छात्रों को आज शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त होगी। आज आपको ऑफिस के किसी काम से यात्रा करना पड़ेगा। कारोबारियों को आज उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा।

तुला राशिः आज आपके जीवन में कई नए बदलाव आयेंगे, जो आपके भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होंगे। सोशल मीडिया पर नए लोगों से आपकी दोस्ती होगी। आज समाज में आपकी अलग पहचान बनेगी, तरक्की के नए अवसर आपके सामने आयेंगे। दोस्तों के साथ मिलकर नया व्यापार शुरू करने की सोचेंगे। जो लोग मार्केटिंग से जुड़े हुए हैं, आज उन्हें अच्छा क्लाइंट मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। छात्रों को आज कहीं से करियर संबंधी शुभ सूचना मिलेगी, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बनेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे जिससे आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी। बच्चे माता–पिता के साथ पार्क में जाने की जिद्द करेंगे।

धनु राशिःआज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर के रूके हुए सभी काम आज आसानी से पूरे होंगे। किसी बात को लेकर आपके मन में उत्सुकता बनी रहेगी। आपकी बातों को लोग गंभीरता से सुनेंगे और उस पर अमल भी करेंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगो को किसी अच्छी कपंनी से जॉब का ऑफर आयेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत होगा। आज घर पर धर्मिक कार्यो का आयोजन होगा।

मकर राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज कार्यों को पूरा होने में कुछ अधिक समय लगेगा। इस राशि के जो लोग ऑनलाइन व्यापार करते है आज उन्हें बड़ा ऑर्डर मिलेगा। आज कार्यों को पूरा करने में परिवार वालो का सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी पर भरोसा बनाये रखेने से, रिश्तों में मजबूती आयेगी।

कुंभ राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरुरत है। आज कुछ पुराने दोस्तों से फ़ोन पर लम्बी बात होगी, जिनके के साथ आप अपनी पुरानी यादें भी ताजा करेंगे। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। छात्रों को आज किसी टॉपिक को समझाने में सहपाठियों का सहयोग मिलेगा।

मीन राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। छात्रों को आज कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा, जिसमें गुरुओं का सहयोग प्राप्त होगा। आज घर पर थोड़े व्यावहारिक रहने की कोशिश करेंगे, जिससे लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस राशि के जो लोग वकील हैं, उनको कोई नया केस मिलेगा। कैमिस्ट की शॉप वाले लोगो को आज अच्छा मुनाफा होगा। आज आपके सभी काम सरलता पूर्वक पूरे होंगे।

अमेरिका में एक भारतीय नारी का साहस

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका की धरती आज जिस रूप में एक वैश्विक अवसरों की भूमि के रूप में जानी जाती है, उसमें भारतीय मूल के लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। चाहे बात विज्ञान, तकनीकी नवाचार, शिक्षा, व्यवसाय या सांस्कृतिक विविधता की हो, भारतीय अमेरिकियों ने हर क्षेत्र में अपनी अद्वितीय छाप छोड़ी है। हाल ही में मिसिसिपी विश्वविद्यालय में एक भारतीय मूल की महिला द्वारा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से आव्रजन नीतियों पर खुले मंच से सवाल पूछना इसी साहस और सामाजिक जागरूकता का उदाहरण है। इस घटना को सिर्फ एक बहस मत मानिए, यह तो उस प्रवासी समुदाय की आवाज थी जो अमेरिका की प्रगति में प्रत्यक्ष योगदान देने के बावजूद नीतिगत भेदभाव का सामना करता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में 54 लाख (5.4 मिलियन) से अधिक भारतीय एवं भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। यह संख्या उन्हें अमेरिका में चीनी-अमेरिकियों के बाद दूसरा सबसे बड़ा एशियाई जातीय समूह बनाती है। यह समुदाय अमेरिका की कुल आबादी का लगभग 1.6% है। भारतीय अमेरिकी समुदाय उच्च शिक्षा और तकनीकी दक्षता में अग्रणी होने के साथ ही यहां अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी रीढ़ की हड्डी साबित हो रहा है। मैनहैटन इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, एक औसत भारतीय प्रवासी और उसका परिवार अगले 30 वर्षों में अमेरिकी संघीय खज़ाने को लगभग 1.7 मिलियन डॉलर की बचत प्रदान करता है यह सभी प्रमुख प्रवासी समूहों में सबसे ऊँचा आँकड़ा है। यानी चीन के लोग भले ही अमेरिका में अधिक हों, किंतु अमेरिका के खजाने को सबसे अधिक यदि कोई भरता है तो वे भारतीय हैं। भारतीय अमेरिकी पेशेवर विशेष रूप से आईटी, चिकित्सा, वित्त, इंजीनियरिंग और उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी हैं। उदाहरण के लिए, एच-1बी वीजा कार्यक्रम में लगभग 73 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीयों की रही है, जो उच्च कौशल वाले तकनीकी पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करती है। गूगल के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, एडोबी के शांतनु नारायण और आईबीएम जैसी कंपनियों में शीर्ष नेतृत्व में भारतीय मूल के लोग इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय प्रतिभा ने अमेरिकी कॉर्पोरेट परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। इसलिए ही बुद्धि कौशल के मामले में सबसे अधिक

भारतीयों की डिमांड वहां रहती है। यह भी एक तथ्य है, भारतीय अमेरिकियों का औसत वार्षिक पारिवारिक आय अमेरिका के औसत से लगभग 80 प्रतिशत अधिक है। वे अमेरिका की जनसंख्या का 1.5 प्रतिशत होते हुए भी संघीय कर राजस्व में 5 से 6 प्रतिशत योगदान देते हैं। उनके व्यवसायों और स्टार्टअप्स से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 11 से 12 मिलियन रोजगार अवसर जुड़े हैं। सिलिकॉन वैली में स्थापित हर चौथे स्टार्टअप की नींव किसी भारतीय या भारतीय मूल के उद्यमी ने रखी है। कहना होगा कि यह भारतवंशियों के नवाचार-केन्द्रित दृष्टिकोण का परिचायक है। अब बात अमेरिका की आव्रजन नीति की। वस्तुतः ये लंबे समय से राजनीतिक विवादों का विषय रही है। विशेषकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान कड़े प्रतिबंधों और "America First" नीति के कारण कई वैध प्रवासी भी प्रभावित हुए हैं। इन नीति ने भारतीय समुदाय में असुरक्षा की भावना बढ़ाई है, जबकि अधिकांश भारतीय प्रवासी पूरी तरह वैधानिक प्रक्रिया से अमेरिका पहुंचे हैं, फिर भी "इमिग्रेशन सख्ती" की लहर ने उन्हें भी अपने अस्तित्व के लिए सजग और संगठित होने पर मजबूर किया है। इसी संदर्भ में मिसिसिपी विश्वविद्यालय की वह घटना विशेष रूप से उल्लेखनीय है जिसमें एक भारतीय मूल की महिला ने उपराष्ट्रपति वेंस से सार्वजनिक मंच पर सवाल किया; "हम नियमों से आए हैं, मेहनत से जी रहे हैं, तो हमें बाहर क्यों किया जा रहा है?" यह प्रश्न मात्र भावनात्मक नहीं है, यह अमेरिका के लोकतांत्रिक मूल्य, समानता और न्याय के सिद्धांतों को पुनः परिभाषित करने का आह्वान है। वेंस ने जब उत्तर दिया कि "कम प्रवासी आने चाहिए ताकि देश का सामाजिक ढांचा बचा रहे," तो यह तर्क बहुसांस्कृतिक समाज की जटिलताओं को समझने में विफल रहा। क्योंकि अमेरिका का इतिहास बताता है कि विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति रही है और भारतीय प्रवासियों ने इस विविधता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यदि भारतीय अमेरिका नहीं जाते तो आज अमेरिका जिस विकसित रूप में दिखाई देता है, वह भी नहीं होता! इसी तरह से कार्यक्रम के दौरान महिला द्वारा उपराष्ट्रपति के अंतरधार्मिक विवाह पर सवाल उठाना भी भारतीय प्रवासियों के सांस्कृतिक आत्मबोध को दर्शाता है। भारतीय समुदाय अपनी धार्मिक आस्था, पारिवारिक मूल्य और सांस्कृतिक जड़ों को सहेजते हुए भी अमेरिकी समाज में गहराई से रच-बस गया है। जैसा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस की पत्नी उषा वेंस को हम देख सकते हैं, जो पूरी तरह से हिन्दू धर्म का पालन करती हैं। इसी तरह से अनेक भारतीय मूल के अमेरिकी हैं जो यहां सांस्कृतिक एकता और वैश्विक सौहार्द का संदेश मजबूत कर रहे हैं। भारतीय अमेरिकियों ने व्यवसाय और तकनीकी जगत के साथ ही राजनीति और सामाजिक नेतृत्व में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस दृष्टिकोण से कई नाम देखे जा सकते हैं। कमला हैरिस, अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, अरुणा मिलर, विवेक मूर्ति निक्की हेली बॉबी जिंदल, प्रीति भरगावा, सीमा वर्मा, काश्यप (कश) पटेल, विवेक रामास्वामी, सुहास सुब्रमण्यम, रिचर्ड आर. वर्मा, प्रीति बंसल, अंजली चतुर्वेदी, माला अडिगा, सेमी वर्मा, नील कशकारी और ऐसे ही अन्य नाम हैं। आज कई भारतीय अमेरिकी अब अमेरिकी कांग्रेस, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों में निर्वाचित होकर नीति निर्माण की मुख्यधारा में हैं। नई पीढ़ी के भारतीय अमेरिकी छात्र विश्वविद्यालयों में शिक्षा, शोध और नवाचार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वे सामाजिक न्याय, जलवायु परिवर्तन, मानवाधिकार और तकनीकी नैतिकता जैसे विषयों पर अग्रिम सोच रखते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

श्रेयस अय्यर अस्पताल से डिस्चार्ज, रिकवरी के लिए सिडनी में ही रहेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मध्यक्रम बल्लेबाज़ श्रेयस अय्यर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया कि अय्यर अब सिडनी में मेडिकल सुपरविजन के तहत रिकवरी जारी रखेंगे और पूरी तरह फिट होने के बाद ही भारत लौटेंगे। श्रेयस अय्यर को 25 अक्टूबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते समय पेट में गंभीर चोट लगी थी। जांच में पाया गया कि उनके प्लीहा में कट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था। डॉक्टरों ने तुरंत इलाज करते हुए ब्लीडिंग को नियंत्रित किया और एक मामूली प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर हो गई। बीसीसीआई के चिकित्सा प्रमुख डॉ. अभिजीत सैकिया ने बयान में कहा, "श्रेयस अय्यर अब स्थिर हैं और अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। सिडनी और भारत के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी रिकवरी से संतुष्ट है।" बोर्ड ने सिडनी के डॉ. कौरूश हघीगी और उनकी टीम, साथ ही मुंबई के डॉ. दिनशॉ पारदीवाला को धन्यवाद दिया, जिन्होंने अय्यर को बेहतरीन इलाज उपलब्ध कराया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अय्यर ने दो वनडे में 72 रन बनाए थे, जिसमें एडिलेड वनडे में 61 रनों की जुझारू पारी शामिल थी। इस पारी में उन्होंने कप्तान रोहित

शर्मा के साथ शतकीय साझेदारी भी की थी। इस साल अय्यर ने 11 मैचों में 496 रन बनाए हैं, औसत 49.60 और स्ट्राइक रेट 89.53 रहा है। उन्होंने पांच अर्धशतक लगाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 79 रन है। इसके अलावा उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 243 रन बनाए थे और भारत के शीर्ष रन-स्कोरर रहे थे। अब उनकी चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज (30 नवंबर से शुरू) में खेलने पर संदेह जताया जा रहा है। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि टीम इंडिया के इस भरोसेमंद बल्लेबाज़ की जल्द मैदान पर वापसी हो।

पंजाब एफसी ने नाइजीरियाई स्ट्राइकर एनसुंगुसी एफिओंग के साथ किया करार

एजेंसी, गोवा

पंजाब एफसी ने नाइजीरियाई सेंटर-फॉरवर्ड एनसुंगुसी जूनियर एफिओंग के साथ करार किया है। 25 वर्षीय एफिओंग रोमानिया के क्लब एफसी यूटीए अराड से आने के बाद सीधे गोवा में एआईएफएफ सुपर कप 2025 के लिए टीम में शामिल हो गए हैं। उन्होंने पंजाब एफसी के साथ एक साल का अनुबंध किया है। 6 फीट 4 इंच लंबे इस स्ट्राइकर के आने से टीम के आक्रमण को ताकत और अनुभव मिलेगा, क्योंकि पंजाब एफसी इस सीजन में और सफलता हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। एफिओंग भारत में यूरोपीय और मध्य एशियाई फुटबॉल का विविध अनुभव लेकर आए हैं। एफिओंग ने अपना करियर घाना के क्लब इंटरनेशनल एलाइज से शुरू किया था, जिसके बाद वे यूरोप चले गए। उन्होंने डेनमार्क के क्लब एचबी

कोगे के साथ तीन सीजन बिताए, जहां उन्होंने लोन पर खेलते हुए 58 मैचों में 11 गोल दागे। इसके बाद उन्होंने मध्य एशियाई लीगों में अनुभव हासिल किया। उन्होंने 2023 सीजन में कजाकिस्तान प्रीमियर लीग के एफसी अतिराउ के लिए लोन पर खेला, जहां उन्होंने 25 मैचों में सात गोल किए। हाल ही में वे उज्बेकिस्तान सुपर लीग के क्लब नेफची फर्गानाके लिए खेले, जहां 2024-25 सीजन में उन्होंने 24 मैचों में सात गोल किए। एफिओंग ने पंजाब एफसी के लिए खेलने को लेकर उत्साह जताया और एक बयान में कहा, "पंजाब एफसी से जुड़ना जीतने और प्रभाव छोड़ने के बारे में है। मैं यहां एक नए स्तर का आक्रामक खेल लाने आया हूं। मुझे दबाव में खेलना पसंद है और मैं उन प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्सुक हूं जो पूरी मेहनत की उम्मीद करते हैं। तैयार हो जाइए गोल देखने के लिए — मैं इस टीम की किस्मत बदलने आया हूं।" पंजाब एफसी के टेक्निकल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलियाटिस ने नए साइनिंग पर कहा, "एफिओंग में हमने वह खिलाड़ी पाया है जो हमारी सभी आवश्यकताओं पर खरा उतरता है। यह कोई जल्दबाजी में लिया गया फैसला नहीं था, बल्कि एक योजनाबद्ध कदम था ताकि हम एक ऐसे गोल स्कोरर को जोड़ सकें जिसके पास बेहतरीन अनुभव हो। वह हमारे आक्रमण को वास्तविक गुणवत्ता देगा और हमें विश्वास है कि वह तुरंत हमारे प्रदर्शन स्तर को ऊंचा उठाएगा और टीम को बेहतर संतुलन दिलाएगा।" 25 वर्षीय यह फॉरवर्ड अब सीधे गोवा में टीम से जुड़ चुके हैं। अब सभी की निगाहें इस नाइजीरियाई स्ट्राइकर पर होंगी कि वह कितनी जल्दी टीम में घुलमिलकर अपने वादे को हकीकत में बदल पाते हैं।

रोहन बोपन्ना ने प्रोफेशनल टेनिस से लिया संन्यास, दो दशकों के शानदार करियर का हुआ अंत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने शनिवार को प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास की घोषणा कर दी है। उनका आखिरी मैच पेरिस मास्टर्स 1000 में हुआ, जहां उन्होंने अलेक्जेंडर बब्लिक के साथ जोड़ी बनाई। बोपन्ना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "किसी ऐसी चीज़ को अलविदा कैसे कहूं जिसने मेरे जीवन को अर्थ दिया? 20 अविश्वसनीय वर्षों के बाद अब वक्त आ गया है... मैं अपने रैकेट को आधिकारिक रूप से टांग रहा हूं। कूर्ग में लकड़ी काटने से लेकर सर्व मजबूत करने से करने और दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों की रोशनी के नीचे खड़े होने तक यह सफर अविश्वसनीय रहा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है।" बोपन्ना ने 43 वर्ष की आयु में पिछले साल इतिहास रचा था, जब वे पहली बार

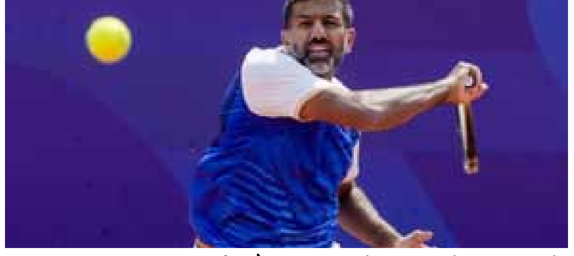

पुरुष युगल विश्व नंबर-1 बने और ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में मैथ्यू एब्डन के साथ युगल खिताब जीतकर ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। यह उनका दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब था। पहला उन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स में जीता था। बोपन्ना पहले ही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ग्रैंड स्लैम और एटीपी मास्टर्स 1000 दोनों खिताब सबसे अधिक उम्र में जीते। उन्होंने हाल ही में जापान ओपन 2025 के फाइनल में पहुंचे और ओपन एरा में दूसरे सबसे उम्रदराज पुरुष युगल फाइनलिस्ट बनकर इतिहास रच दिया। तीन बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले बोपन्ना रियो 2016 में सानिया मिर्जा के साथ मिक्स्ड डबल्स में चौथे स्थान पर रहे थे। वे दो दशकों तक भारत की डेविस कप टीम के भरोसेमंद स्तंभ बने रहे। टेनिस जगत में बोपन्ना का यह सफर समर्पण, निरंतरता और भारतीय खेल भावना का अद्भुत प्रतीक रहा।

यशस्वी जायसवाल की शानदार वापसी, राजस्थान के खिलाफ ठोंके 67 रन

एजेंसी, जयपुर

मुंबई के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने रणजी ट्रॉफी के तीसरे दौर में राजस्थान के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 67 रनों की बेहतरीन पारी खेली। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में जायसवाल ने 97 गेंदों का सामना करते हुए आठ चौके और एक छक्का जड़ा। उन्हें अनिकेत चौधरी ने विकेटकीपर के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा। जायसवाल ने अपने साथी ओपनर मुशीर खान के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 100 रनों की अहम साझेदारी की, जिससे मुंबई ने मजबूत शुरुआत हासिल की। जायसवाल की पारी में वही पुराना आत्मविश्वास और लय देखने को मिली, जो उन्हें घरेलू क्रिकेट में विशेष बनाती है। इस साल की शुरुआत में जायसवाल ने घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए खेलने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपना फैसला बदलते हुए मुंबई के साथ बने रहने का निर्णय

लिया। समाचार लिखे जाने तक मुंबई ने अपनी पहली पारी में 34 ओवर में 1 विकेट पर 107 रन बना लिए थे। क्रीज पर मुशीर खान 32 रन और कप्तान अजिंक्य रहाणे 3 रन बनाकर खेल रहे थे। मुंबई की नजर अब पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करने पर होगी, ताकि टीम को शुरुआती बढ़त मिल सके।

पेरिस मास्टर्स : नंबर-1 की दौड़ में आगे बढ़े सिनर, सेमीफाइनल में ज्वेरेव से भिड़ंत

एजेंसी, पेरिस

इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने पेरिस मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को सीधे सेटों में हराकर विश्व नंबर-1 रैंकिंग की ओर एक और कदम बढ़ाया। सिनर ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की और अब सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन एलेक्ज़ेंडर ज्वेरेव से भिड़ेंगे। सिनर का यह लगातार 24वां इनडोर हार्ड कोर्ट मैच जीत है। अगर वे पेरिस में खिताब जीतते हैं, तो वे स्पेन के कार्लोस अल्कराज़ को पीछे छोड़कर फिर से विश्व नंबर-1 बन जाएंगे। अल्काराज़ को दूसरे दौर में कैमरन नॉरी ने चौंकाया था। सिनर ने मैच के बाद कहा, "इस समय मैं रैंकिंग के बारे में नहीं सोच रहा हूं। हर दिन एक नई चुनौती होती है, और मैं बस अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।" 24 वर्षीय सिनर इस सीजन का

अपना पांचवां खिताब जीतने की राह पर हैं। इससे पहले वे ऑस्ट्रेलियन ओपन, विम्बलडन, चाइना ओपन और विएना ओपन का खिताब जीत चुके हैं। सिनर ने शेल्टन के खिलाफ अपनी सातवीं लगातार जीत दर्ज की है, जबकि उनकी ज्वेरेव के खिलाफ भी पिछली तीन भिड़ंतों में जीत रही है। दूसरी ओर, जर्मनी के तीसरी वरीयता प्राप्त एलेक्ज़ेंडर ज्वेरेव ने दानिल मेदवेदेव को एक रोमांचक मुकाबले में 2-6, 6-3, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। ज्वेरेव ने तीसरे सेट में दो मैच पॉइंट बचाते हुए शानदार वापसी की और मेदवेदेव के खिलाफ लगातार पांच हार का सिलसिला तोड़ा। इससे पहले, कजाखस्तान के एलेक्ज़ेंडर बुब्लिक ने एलेक्स डी मिनौर को हराकर अपने करियर का पहला मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल हासिल किया।

व्यापार

बालको बनेगी दूसरी सबसे बड़ी स्मेल्टर कंपनी

कोरबा । कोरबा जिले में स्थापित और संचालित वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड का एल्युमिनियम स्मेल्टर प्लांट विश्व की छठवी व देश की दूसरी सबसे बड़ी स्मेल्टर होगी, क्योंकि जल्द ही बालको कंपनी एल्यूमिनियम उत्पादन में वन मिलियन टन के क्लब में शामिल होगी। जानकारी के अनुसार कंपनी के पुराने एल्युमिनियम प्लांट परिसर में ही 5 लाख टन सालाना क्षमता वाला स्मेल्टर बनकर तैयार हो गया है और यह स्मेल्टर कमीशनिंग चरण में है। इस तरह स्मेल्टर से पहली बार धातु बनाने की शुरुआत भी की। कमीशनिंग चरण में नए स्मेल्टर में लगे सिस्टम व अन्य प्रणालियों के निरीक्षण के बाद टेस्टिंग का काम होगा। इससे उत्पादित धातु की क्वालिटी देखने के बाद मार्च 2026 से स्मेल्टर पूरी तरह उत्पादन में आ जाती। अभी बालको कंपनी की सालाना एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता 5.85 लाख टन है। विस्तार परियोजना की नए स्मेल्टर की उत्पादन में आने के बाद क्षमता बढ़कर 10.85 लाख टन सालाना होगी। इससे बालको कंपनी वन मिलियन टन के क्लब में शामिल होगी। अभी झारसुगड़ा ओडिशा स्थित वेदांता एल्यूमिनियम वन मिलियन टन क्लब में शामिल है। बालको कंपनी की विस्तार परियोजना आज 2047 के विकसित भारत का ही हिस्सा बन गया है। विनिवेश के समय बालको सिर्फ एक लाख टन एल्यूमीनियम बनाता था। विनिवेश के बाद पूर्व का एक लाख टन बा स्मेल्टर व 2 लाख टन की एल्यूमिना रिफक्रनरी आउट डेटेड होते से डिस्मेंटल से बालको को अपनी विस्तार प्रोजेक्ट के लिए अतिरिक्त जमीन की जरूरत नहीं पड़ी। से एल्यूमिनियम उत्पादन में 6 दशक का लंबा सफर बालको कंपनी ने तय किया हैं और अब 1 मिलियन टन सालाना उत्पादन का लक्ष्य साकार होगा। बालको की एल्युमिनियम स्मेल्टर प्लांट की क्षमता दो गुनी

हो जाएगी। इससे देश के एल्युमिनियम उद्योग को रफ्तार मिलेगी।

पहले स्मेल्टर 25 हजार टन सालाना– 27 नवंबर 1965 को सार्वजनिक क्षेत्र में एल्युमिनियम उत्पादन करने वाली बालको पहली कंपनी बनी। राज्य गठन के पहले सभी स्मेल्टर 25 हजार टन सालाना क्षमता का रहा। इस तरह छत्तीसगढ़ राज्य बनने से पहले कंपनी का सालाना 1 लाख टन एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता रहा। विनिवेशीकरण के बाद कंपनी के उत्पाद में एलुमिना, पिघला धातु, ईंगट, एलॉय मेटल, बिलेट, स्लैब, प्रापरजी रॉड, क्सटूशन व रोल्ड भी शामिल हुए।

एल्युमिनियम पार्क बनने पर लघु उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा- बालको कंपनी के विनिवेशीकरण के समय ही जिले में एल्युमिनियम पार्क बनाने की प्रक्रिया शुरू की थी। राज्य की वर्तमान सरकार ने अपने बजट में एल्युमिनियम पार्क के लिए राशि स्वीकृत की। इसके बाद उद्योग विभाग ने उत्पादन कंपनी के बंद पड़ी कोरबा पूर्व प्लांट की जमीन को एल्युमिनियम पार्क लिए देने का प्रस्ताव दिया। ऊर्जाविभाग ने प्रस्ताव पर निर्णय के लिए बिजली उत्पादन कंपनी के बोर्ड को भेज दिया था। बोर्ड ने जमीन देने का निर्णय लिया है। एल्युमिनियम पार्क बनने पर लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार के विकल्प भी रहेंगे। मालको प्लांट के नजदीक ही कोरबा पूर्व प्लांट की खाली जमीन होने से धातुको आकार देने फिर से पिघलाने की जरूरत नहीं होगी।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज एक बार फिर तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज के कारोबार में सोना 1,670 रुपये से लेकर 1,820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,23,290 रुपये से लेकर 1,23,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,13,010 रुपये से लेकर 1,13,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज भी 1,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,23,440 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,23,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,23,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,23,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,13,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,23,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,23,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,13,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की घटी कीमत, रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने आज से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती कर दी है। हालांकि घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मतलब घर के किचन के बजट में पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। आज कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 4.50 रुपये से लेकर 6.50 रुपये तक की कटौती की गई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक कीमत में की गई कटौती के बाद अब राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1,595.50 रुपये से कम होकर 1,590.50 रुपये हो गई है। पिछले महीने ही 1 अक्टूबर को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 15 रुपये तक

की बढ़ोतरी की थी। इस बढ़ोतरी के बाद होटल, रेस्टोरेंट और कमर्शियल गैस का उपयोग करने वाले छोटे कारोबारियों पर महंगाई का बोझ बढ़ गया था। ऐसी स्थिति में आज कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती करके होटल, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारियों को कुछ हद तक राहत दी गई है। ताजा कटौती में कोलकाता में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में सबसे ज्यादा 6.50 रुपये की कमी की गई है। अब यहां 19 किलो का सिलेंडर 1,694 रुपये में मिल रहा है, जबकि अक्टूबर में इसका रेट 1,700.50 रुपये था। इसके अलावा, मुंबई में 19 किलो एलपीजी सिलेंडर का नया रेट 1,542 रुपये हो गया है, जो पिछले महीने से 5 रुपये कम है। वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 1,750 रुपये तय की गई है, जो अक्टूबर के मुकाबले 4.5 रुपये कम है। इस कटौती के बाद पटना में अब 19 किलोग्राम वाला सिलेंडर 1,876 रुपये, नोएडा में 1,876 रुपये, लखनऊ में 1,876 रुपये, भोपाल में 1,853.50 रुपये और गुरुग्राम में 1,607 रुपये में मिलेगा। आज सिर्फ कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत मे ही कटौती हुई है। घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर (रसोई गैस) की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू उपयोग वाले सिलेंडर की कीमत में आखिरी बार 8 अप्रैल 2025 को बदलाव हुआ था। दिल्ली में इसकी कीमत अभी 853 रुपये है। इसी तरह कोलकाता में 879 रुपये, मुंबई में 852.50 रुपये, चेन्नई में 868.50 रुपये, लखनऊ में 890.50 रुपये, अहमदाबाद में 860 रुपये, हैदराबाद में 905 रुपये, वाराणसी में 916.50 रुपये और पटना में 951 रुपये है।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन देखा, जिसमें सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक वैश्विक आर्थिक संकेतों और विदेशी निवेश प्रवाह से प्रभावित रहे। सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी मुद्रास्फीति रिपोर्ट उम्मीद से कमजोर आई, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं मजबूत हुईं और वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली। सोमवार को सेंसेक्स 84,482.64 अंक पर खुला और 84,778.84 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,880.15 अंक से 25,966.05 अंक पर समाप्त हुआ। मंगलवार को अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद और फेड की कटौती की संभावनाओं ने बाजार को शुरुआती कारोबार में बढ़त दी, लेकिन अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों गिरावट में बंद हुए। बुधवार को फेड की ब्याज दर पर कोई तत्काल निर्णय न होने और विदेशी निवेश प्रवाह से बाजार ने तेजी दिखाई, सेंसेक्स 84,997.13 अंक पर और निफ्टी

26,053.90 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, गुरुवार को विदेशी पूंजी निकासी और फेड के अनिश्चित संकेतों के चलते बाजार में गिरावट आई। सेंसेक्स 84,404.46 अंक पर और निफ्टी 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत, शुक्रवार को बाजार सपाट रुख के साथ बंद हुआ, जिसमें सेंसेक्स 83,938.71 अंक और निफ्टी 25,722.10 अंक पर समाप्त हुए। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की धारणा वैश्विक संकेतों, ब्याज दरों और विदेशी पूंजी प्रवाह पर निर्भर रही। सप्ताहभर के उतार-चढ़ाव ने यह साफ किया कि बाजार में विदेशी आर्थिक नीतियों और घरेलू निवेश प्रवाह का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है।

वोक्सवैगन को 1.2 अरब डॉलर का तिमाही घाटा, अमेरिकी टैरिफ और पोर्शे बनी मुश्किलें की वजह

जर्मनी। यूरोप की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी वोक्सवैगन को जुलाई से सितंबर 2025 तिमाही में 1.07 अरब यूरो (लगभग 1.24 अरब डॉलर) का घाटा हुआ है। यह कंपनी का पांच वर्षों में पहला तिमाही नुकसान है। 2020 की दूसरी तिमाही में कोरोना महामारी के दौरान वोक्सवैगन को आखिरी बार नुकसान हुआ था। कंपनी ने बताया कि यह घाटा मुख्य रूप से अमेरिकी टैरिफ, पोर्शे ब्रांड में समायोजन और मूल्य ह्रास के कारण हुआ है। वित्त प्रमुख आर्नो एंटलिट्ज़ ने कहा कि "पिछले साल की समान अवधि की तुलना में नतीजे काफी कमजोर हैं। ऊँचे टैरिफ, पोर्शे की उत्पाद रणनीति में बदलाव और उसके मूल्य में कटौती से लगभग 7.5 अरब यूरो का असर पड़ा है।" वोक्सवैगन के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए नए टैरिफों के कारण कंपनी को सालाना लगभग 5 अरब यूरो का नुकसान हो रहा है। जुलाई में घोषित ईयू-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अब यूरोपीय कारों पर 15% टैरिफ है, जो पहले 2.5% था।

पोर्शे बनी सिरदर्द- कभी वोक्सवैगन की "मुकुटमणि" मानी जाने वाली पोर्शे अब कंपनी के लिए चिंता का कारण बन गई है। चीन में स्थानीय कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और इलेक्ट्रिक

कारों की कमजोर मांग ने इसके मुनाफे को गहरा झटका दिया है। सितंबर में पोर्शे ने अपने मुनाफे के लक्ष्य घटा दिए, जिसके बाद वोक्सवैगन को 5.1 अरब यूरो का अतिरिक्त नुकसान झेलना पड़ा। कंपनी ने पोर्शे के शेयरों का मूल्य घटाया और पेट्रोल वाहनों की बिक्री को पहले की तुलना में अधिक समय तक जारी रखने का निर्णय लिया। अमेरिका में वोक्सवैगन को अपने टेनेसी संयंत्र के अलावा बाहर से आने वाले ऑटो पार्ट्स पर भी भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि कंपनी का कुल राजस्व 2.3% बढ़कर 80.3 अरब यूरो तक पहुँचा है, लेकिन यह बढ़त घाटे की भरपाई नहीं कर सकी। वोक्सवैगन पहले ही 2030 तक 35,000 नौकरियाँ घटाने की योजना बना चुकी है, जिससे सालाना 15 अरब यूरो की बचत हो सके।

कपिल शर्मा संग किस किस को प्यार करूं 2 में दिखेंगी पारुल गुलाटी, शेयर किया अपना अनुभव

मनोरंजन जगत में लंबे समय तक मेहनत और संघर्ष के बाद जब किसी कलाकार को बड़ा मौका मिलता है, तो वह न सिर्फ उनके करियर का बल्कि उनके जीवन का भी अहम मोड़ बन जाता है। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए यह पल अब आ चुका है। करीब 15 साल के सफर के बाद, वह आखिरकार अपनी पहली बालीवुड थियेट्रिकल फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर उतरने जा रही हैं। फिल्म का नाम है किस किस को प्यार करूं 2, जिसमें वह भारत के कामेडी किंग कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। पारुल ने कहा कि उन्हें लगता है जैसे उनकी मेहनत का हर छोटा कदम अब एक सुंदर इनाम में बदल गया है। पारुल ने कहा, इतने वर्षों में मैंने कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होना हर अभिनेता का सपना होता है। जिंदगी जैसे अब एक चक्र पूरा कर चुकी है। इतने सालों में बहुत कुछ किया, पर बड़ी स्क्रीन पर खुद को देखना हर कलाकार के लिए जादुई पल होता है। इस बार यह जादू और भी खास है, क्योंकि मेरे साथ इस फिल्म में कपिल शर्मा हैं, जो अपने हास्य और टाइमिंग के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए कई मायनों में यह बेहद खास है। मैं पहली बार कामेडी की दुनिया में कदम रख रही हूं और इस अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं इस फिल्म के जरिए सीखने और जीने के नए तरीके दर्शकों को दिखाने जा रही हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक नया अध्याय है, जो मेरे करियर की दिशा को और ऊंचाई देगा। किस किस को प्यार करूं 2 में पारुल और कपिल के साथ हीरा वरीना, त्रिधा चौधरी और आयशा खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का मोशन पोस्टर 23 अक्टूबर को जारी किया गया, जिसमें कपिल शर्मा के किरदार की जिंदगी में चार दुल्हनों के आने से होने वाली अफरा-तफरी दिखाई गई। दर्शकों को यह झलक देखकर ही अंदाजा हो गया है कि फिल्म में खूब हंसी-मजाक और मनोरंजन होने वाला है। फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है, जबकि इसे रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है और 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म 2015 में आई कपिल शर्मा की डेब्यू फिल्म किस किस को प्यार करूं का सीक्वल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। पहले भाग में अरबाज खान, मंजरी फडनिस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

इमरान हाशमी आवारापन 2 से धमाल मचाने को तैयार, सेट से सामने आई पहली तस्वीर

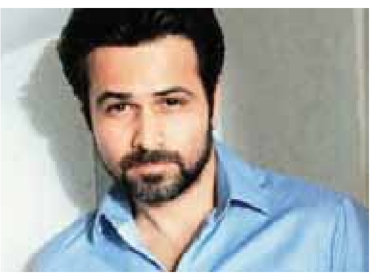

अभिनेता इमरान हाशमी काफी वक्त से अपनी हिट फिल्म आवारापन के सीक्वल आवारापन 2 को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। ताजा अपडेट ये है कि अभिनेता ने बैंकाक में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। उनकी इस फिल्म के सीक्वल का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर मुहूर्त शाट की तस्वीर साझा की है। इसके साथ लिखा है, तेरा मेरा रिश्ता पुराना भाई। दरअसल, तेरा मेरा रिश्ता पुराना फिल्म आवारापन का सुपरहिट गाना है। फिल्म निर्माता विशेष भट्ट ने सोशल मीडिया पर ये जानकारी दी है। इस फिल्म की कहानी बिलाल सिद्दीकी ने लिखी है तो इसके निर्देशन की कमान नितिन कक्कड़ संभाल रहे हैं। फिल्म 3 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों का रुख करेगी। इमरान की फिल्म आवारापन साल 2007 में रिलीज हुई थी। 18 साल बाद निर्माता इस फिल्म का अगला भाग लेकर आ रहे हैं और अब एक बार फिर इमरान शिवम पंडित बनकर अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने वाले हैं। फिल्म का 50 प्रतिशत हिस्सा बैंकाक में शूट होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में पहली बार इमरान को अभिनेत्री दिशा पाटनी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए देखा जाएगा। हालांकि निर्माताओं की ओर से इस खबर की पुष्टि होना बाकी है।

दे दे प्यार दे 2 का दूसरा गाना झूम शराबी रिलीज, अजय देवगन ने छलकाए जाम

अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की आगामी फिल्म दे दे प्यार दे 2 अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। निर्माताओं ने रात भर के बाद दूसरा गाना, झूम शराबी रिलीज कर दिया है। रैपर यो यो सिंह ने दिवंगत पार्श्व गायक अजीज नाजा के मशहूर गाने झूम बराबर झूम शराबी को नए तरीके से पेश किया है, जो आते ही यूट्यूब पर छा गया। दिलचस्प बात ये है कि अभिनेता पहली बार जाम छलकाते दिखे हैं। अजय ने एक्स पर गाना झूम शराबी रिलीज करते हुए लिखा, वाल्यूम बढ़ाओ, डांस फ्लोर पर चाचाओं की मनपसंद धमाल मची है। झूम शराबी अभी रिलीज। हनी और अजय की जुगलबंदी वाले इस गाने ने लोगों को झूमने को मजबूर कर दिया है। हनी सिंह कहते हैं, झूम शराबी शुरू होते ही माहौल बना देता है! मैं चाहता था ऐसा ट्रैक जो सबको डांस फ्लोर पर खींच लाए चाहे वो कूल अंकल हों या क्रेज़ी कजिन्स. अजय सर के साथ दोबारा काम करना एकदम मज़ेदार और एनर्जी से भरा अनुभव रहा. यह गाना हर उस शादी के लिए बना है जहां असली पार्टी शुरू करते हैं ओजी अंकल्स! गणेश आचार्य, जिन्होंने अजय देवगन के कई हिट डांस नंबर कोरियोग्राफ किए हैं, कहते हैं, झूम शराबी एक आम डांस नंबर नहीं है ये एक फुल-आन अंकल एंथम है! हमने उस जोश और बेफिक्री को दिखाने की कोशिश की है जो अंकल्स डांस फ्लोर पर उतरते ही बाहर आ जाती है. अजय सर ने उस वाइब को पूरी तरह से कैप्चर कर लिया है वो स्मूथ हैं, कूल हैं और पूरी तरह बीट्स पर हैं! हनी की धुनों ने इसे और भी ग्रूवी बना दिया. दे दे प्यार दे 2 अगले महीने 14 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अजय और रकुल के अलावा, आर माधवन अहम किरदार में हैं। इसकी पहली किस्त साल 2019 में रिलीज हुई है।

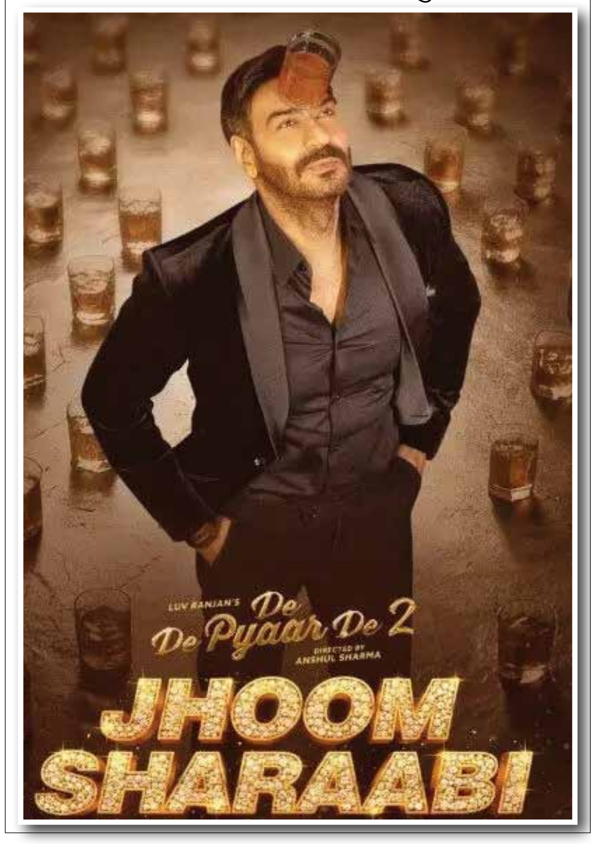

व्हाइट ड्रेस में जान्हवी कपूर का ग्लैमरस अवतार, दिल जीत लेंगी फोटोज

बालीवुड की डीवा जाह्नवी कपूर के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास है, क्योंकि उनकी फिल्म होमबाउंड सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में एक्ट्रेस अपने डेब्यू एक्टर ईशान खट्टर के साथ हैं और फिल्म को सोशल मीडिया पर शानदार रिस्पांस मिला है। अपने दिन को और खास बनाते हुए एक्ट्रेस ने बेहद ही ग्लैमरस फोटोज से अपना इंस्टाग्राम भर दिया है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की तुलसी यानी जाह्नवी ने बोल्ड फोटोज अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। फोटोज में एक्ट्रेस व्हाइट फिश कट, स्किन टाइट ड्रेस में दिख रही हैं, जिसपर व्हाइट फ्लावर की एब्रायडरी भी है। एक्ट्रेस ने हाथ में व्हाइट लीली फ्लावर भी ले रखे हैं। एक्ट्रेस के क्लासी पोज उनके लुक को और गार्जियस बना रहे हैं। फैंस एक्ट्रेस के लुक पर रेड हार्ट पोस्ट कर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बिल्कुल रायल प्रिंसेस लग रही हो, जो रोज आकर इंस्टाग्राम पर छा जाती है। एक दूसरे यूजर ने लिखा, जितनी तारीफ की जाए कम हैज्श्रीदेवी को आप पर नाज होगा। इससे पहले एक्ट्रेस ने अपना डांडिया लुक फैंस के साथ शेयर किया है। एक्ट्रेस ने गहरे लाल रंग का लहंगा पहना था और वरुण धवन के साथ कोजी पोज दिए थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 2 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज की जाएगी। फिल्म में एक्ट्रेस और वरुण धवन का रोमांस दिखाया गया है। फिल्म में आपको लव ट्रायंगल भी देखने को मिलेगा, क्योंकि फिल्म में अकेले जान्हवी और वरुण ही नहीं बल्कि रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा भी हैं। फिल्म का ट्रेलर काफी प्रामिसिंग है। फिल्म के गाने रिलीज के साथ भी पसंद आ रहे हैं। पनवाड़ी साान्ग पर 22 मिलियन व्यूज आ चुके हैं। इसके अलावा, रोमांटिक साान्ग बिजूरिया और तू है मेरी रिलीज कर दिए गए हैं।

महारानी 4 का ट्रेलर जारी, प्रधानमंत्री की कुर्सी हासिल करने 7 नवंबर को आएंगी हुमा कुरैशी

बालीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी महारानी 4 के साथ एक बार फिर ओटीटी पर तूफान लाने के लिए तैयार हैं. इसका नया ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिया है. इस सीजन में पहले से भी ज्यादा राजनीतिक षड्यंत्र देखने को मिल रहे हैं, लेकिन भारती देवी हार नहीं मानने वाली हैं, बल्कि दिल्ली की कुर्सी तक पहुंचने की कोशिश करेंगी.महारानी 4 का लेटेस्ट ट्रेलर रिलीज हो गया है जिसमें इस बार भारती देवी अकेली नहीं, बल्कि अपने कुनबे के साथ दिख रही हैं. सीरीज में भारती सिंह की बेटी और बेटे की एंट्री हो चुकी है. भारती सिंह की बेटी का किरदार श्वेता प्रसाद ने निभाया है, जो मां की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, लेकिन इस बार भारती देवी दिल्ली की राजगद्दी यानी प्रधानमंत्री बनने की लड़ाई लड़ती दिखेंगी. सीरीज में ट्विस्ट ये भी है कि 10 साल पुराने केस में भारती देवी को फंसाने की कोशिश की जाएगी. अब भारती देवी इन परिस्थितियों से कैसे लड़ती हैं, ये तो सीरीज देखने के बाद ही पता चलेगा.महारानी 4 को सात नवंबर से सोनी लिव पर स्ट्रीम किया जाएगा. गौर करने वाली बात ये भी है कि सीरीज को बिहार चुनाव के दौरान स्ट्रीम करने का फैसला लिया गया. 6 नवंबर को बिहार में पहले चरण के विधानसभा चुनाव हैं और 7 नवंबर से दर्शक सीरीज को देख पाएंगे. महारानी का हर सीजन बिहार की राजनीति पर बना है और बिहार चुनाव के दौरान सीरीज को रिलीज करना मेकर्स को फायदा पहुंचा सकता है.<बता दें कि महारानी के तीनों सीजन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है. पहले सीजन में भारती देवी अकेली सत्ता और अपने आत्मसम्मान के लिए संघर्ष करती दिखीं थी, लेकिन अब उनका पूरा परिवार उनके साथ है, जो बिहार की राजनीति में उथल-पुथल लेकर आएगा. हालांकि भारती सिंह का बेटा बिहार का सीएम बनना चाहता है, ऐसे में भारती देवी अपने परिवार की अंदरूनी लड़ाई भी लड़ती दिखेंगी. इस बार सीरीज में कुछ नए चेहरों को भी जोड़ा गया है. इस बार सीरीज में श्वेता बसु, प्रमोद पाठक, शार्दुल भारद्वाज, अमित सियाल, कनी कुसरुति और विनीत कुमार जैसे कलाकारों को भी शामिल किया गया है.

Food, fuel, 'anti-corruption film': The chilling kidnap plan of Mumbai hostage-taker

Mumbai, Agency: The hostage crisis that unfolded in Mumbai's Powai on Thursday was no spontaneous act but was meticulously planned by short filmmaker Rohit Arya, who held 17 teenagers captive in a studio under the pretext of shooting a web series.

The crisis eventually ended in a shootout within hours, leading to the death of the accused, and all the hostages were saved. However, Arya had planned in case the hostage situation pans out for longer, .

How Rohit Ara planned the hostage crisis

Prepared days ago: After asking children to come for auditions last week, Arya had begun 'shooting' at the studio on October 26, according to the grandmother of one of the children at the studio who was also taken hostage. After everything seemingly went well for three days, it was on Tuesday that he started covering the windows of the studio with black paper with children's pictures on it, claiming that the sunlight was hampering the shoot, said Sachin Jadhav, a farmer from Kolhapur, whose daughter and mother-in-law were among the hostages, reported Hindustan Times earlier.

Stockpiled food for a long standoff: Investigations have revealed that Arya, now deceased, had turned the studio into a controlled trap. Leaving nothing to chance, Arya had stockpiled food for hostages in case the situation panned out for longer. He even got a broken latch on the studio's door repaired and got motion sensors installed there to get alerted if anyone tried to enter the studio unexpectedly.

Rohit Arya installed CCTV cams: Arya had also installed CCTV cameras at key locations in the studio and would track the feed on his smartphone.

'Movie on rebelling against corruption': However, to everyone around him, Aarya appeared to shoot a short film. To not raise any suspicions about his real intentions, Aarya had told the children and his assistant, Rohan Raj Aher, who was also taken hostage, that he was shooting for a movie about children rebelling against corruption, which needed a scene of them being kidnapped.

I had worked with Arya, off and on, since 2012. We were out of touch, when he called me recently and offered me this assignment. He told me he wanted to make a short film on children's rebellion against corruption and there was a scene in which children would be kidnapped," Aher said.

Also read: SIT probe, psychological autopsy necessary in Arya's case, says psychiatrist

What he told parents of kids: On Thursday, said a police officer, Arya had told the parents he was to shoot the kidnapping scene and even covered the children's faces with tape. "But when the children didn't emerge for lunch and started feeling hungry at 1.50pm, he sent a video to one of the parents, declaring that he had held all the children inside hostage," the officer said.

According to Aher, the booking of the studio was supposed to end on Wednesday, however, the accused had asked the owner for a one-day extension citing that the children needed acting lessons for one more day.

Assistant asked to bring petrol, crackers: Aher added that he was asked to bring five litres petrol and fire-crackers by Arya, who had stockpiled flammable liquid in the studio. Aher was taken to recreate the crime scene by the police on Friday.

Red Fort to dazzle as Delhi marks Foundation Day with 'Meri Dilli Mera Desh' today evening

New Delhi, Agency: The Red Fort will light up on Saturday evening with music, culture, and flavours as Delhi celebrates its Foundation Day in grand style, with singer B Praak headlining the festivities.

The celebration themed "Meri Dilli Mera Desh – Ek Bharat, Aatmanirbhar Bharat," organised by the directorate of education and sports in collaboration with the Delhi tourism department and the Government of the National Capital Territory (NCT) of Delhi, will also pay tribute to Sardar Vallabhbhai Patel, marking his 150th birth anniversary.

The evening will begin with cultural performances by artists and school students, featuring a blend of classical, folk, and contemporary art forms that reflect Delhi's cosmopolitan spirit. Singer B Praak will be taking the stage towards the end.

Officials said a light and sound show on Delhi's evolution and a projection mapping on the Red Fort façade themed "Main Who Dilli" will capture the city's transformation. "The idea is to celebrate Delhi as the heart of India — as a city that embodies unity, resilience and inclusivity," education minister Ashish Sood said.'

Adding to the festive fervour, the Red Fort lawns will host a food festival, with 52 food stalls featuring regional dishes from across India alongside Delhi's own iconic street flavours.

"To highlight Delhi's self-reliant and entrepreneurial character, some of the city's popular food outlets have been given free stalls. Twenty-five well-known food bloggers will also be present to share the experience live on social media," Sood said.

The festivities will begin at 6 pm and are open to the public. Authorities expect a large turnout and have made detailed arrangements for crowd management and security in coordination with the Delhi Police.

Microphone not snatched': AAP's Saurabh Bharadwaj on viral exchange between Vance and woman

New Delhi, Agency: In the wake of a woman questioning United States Vice President JD Vance over the Donald Trump-led administration's hardline immigration stance, scores of people, including Opposition leaders in India, have lauded the woman for confronting Vance.

The exchange took place during a Q&A session of the Turning Point USA event at the University of Mississippi, with the woman, believed to be a student of South Asian descent, confronting Vance on the US government's efforts to reduce immigration.

Aam Aadmi Party (AAP) leader Saurabh Bharadwaj praised the conversation between Vance and the woman, who was seen wearing a bindi in the viral video, while saying, "This is called democracy."

In a post on social media platform X, Bharadwaj said that an Indian student in America could question the Vice President, and the latter had responded.

Bharadwaj said that the student was telling the government that it is "wrong to deport people" of other countries who had settled in the US.

She is saying that Christianity cannot have a monopoly on American nationality. And the microphone is not being snatched from her hand. And the Vice President is also giving answers," Bharadwaj said.

'Heartbreaking yet powerful': Netizens react on viral Vance video

The exchange between Vance and the woman went viral on social media platforms.

Some users applauded the student's "courage and grace" in confronting Vance. "Heartbreaking yet powerful moment at the Turning Point USA event. That Indian-origin student showed incredible courage and grace confronting VP JD Vance on immigration policies. Her emotional plea about exploited dreams resonates deeply. Kudos to her for standing up!" a user posted on X.

Others pointed to Vance's in-laws being "Indian scholars". "America doesn't need to import a foreign class of servants," says JD Vance, forgetting his own in-laws came here as Indian scholars. Call it what it is. This isn't nationalism, it's racism dressed up as patriotism," one user said.

Vance's remarks on wife Usha's faith spark outrage

The interaction stirred a row after Vance in a remark, what many say, expressed his willingness to one day see his wife Usha embrace Christianity.

Do I hope eventually that she is somehow moved by the same thing that I was moved in by church? Yeah, I honestly do with that," he said.

The statement went viral and drew backlash from several Indian and American users. "I'm sorry, they have been married for 11 years and he is somehow still hoping she will change religions? And saying it in public? If I'm her, I'm PISSED," a user posted on X.

Following the outrage, Vance issued a clarification saying his wife has "no plans to convert.

Enrique Iglesias' Mumbai concert sees 73 phones worth 24 lakh stolen; 7 FIRs filed

Mumbai, While the crowd was busy enjoying pop singer Enrique Iglesias' concert in Maharashtra's Mumbai earlier this week on Wednesday, at least 73 mobile phones worth ?23.85 lakh were stolen during the concert, said police on Friday.

According to officials, seven FIRs have been filed so far in connection with the thefts, reported news agency PTI. Those who reported their phones stolen include a makeup artist, a hotelier, several students, a journalist and multiple businessmen.

The concert was held at the MMRDA Grounds in Bandra Kurla Complex (BKC) on Wednesday evening, the tickets for which started at

7,000. The 50-year-old Grammy award winning singer drew a crowd of more than 25,000 fans at the packed venue and performed for over 90 minutes. He swept thousands of fans into a wave of nostalgia with his timeless hits like "Hero" and "Bailamos" during his performance in Mumbai.

As Enrique performed on stage, at one point, he walked on a ramp made on stage, heading closer to the fans.

The 50-year-old singer caught the device even as he was holding a mic.

He smiled, clicked a selfie with the phone while flashing the peace sign, and then looked around in the crowd. Then, he threw the phone back into the crowd.

Stocked food to CCTV, Mumbai hostage-taker eyed long siege

Mumbai, Agency: The terrifying hostage situation that played out in Mumbai on Thursday was meticulously planned by the now deceased hostage-taker and short filmmaker, Rohit Aarrya, who held 17 teenagers captive in a studio while shooting a web series.

Aarrya had stockpiled food for the children in the event of a long-drawn drama. He also got a broken latch on the studio's door repaired, and installed CCTV cameras at strategic points on the premises, so that footage would be streamed to his smart phone; he was not privy to the feed of the pre-installed surveillance cameras.

The really chilling twist, though, comes from the story Aarya told the children and his assistant – that he wanted to make a short film on children rebelling against corruption, and there was a scene in which children would be kidnapped, Rohan Raj said Aher said in his statement to the Mumbai police team investigating the case. This, Aarrya hoped, would be a smokescreen for the preparations he was making for the actual hostage situation that was to unfold a couple of days later.

Aarrya had stocked flammable liquid in RA Studio on Saki Vihar Road. "He had asked me to bring 5 litres petrol and fire-crackers as well," said Aher, who worked as a theatre trainer with Aarrya on this assignment.

Police said Aarrya had told the children and Aher that he was shooting a reel of a kidnapping and hostage situation.

While our studio booking had ended on Wednesday, Aarrya had spoken to the owner and asked for a day's extension. He told me they needed to give the children acting lessons for one more day," said Aher.

The crime branch investigating the case, in which police shot Aarrya dead while defusing the hostage crisis, recorded Aher's statement on Friday. Police also took him to the crime scene on Friday, to recreate the sequence of events.

I had been working with Aarrya since 2012. He had worked with various big TV channels and had gained my confidence," said Aher.

We were out of touch for a long time, but he called me recently and offered me this assignment. He told me he wanted to make a short film on children's rebellion against corruption and there was a scene in which children would be kidnapped," said Aher.

Sachin Jadhav, a farmer from Kolhapur, whose daughter was one of the hostages, said shooting began on Sunday, October 26. "We had got a call from Aarrya to join him on the 25th. We had sent my daughter's video via WhatsApp and he approved. She had already worked in various short films," said Jadhav.

Jadhav's mother-in-law, Mangala Patankar, 77, was also held hostage with the children as she had accompanied them to the shoot. When the crisis broke, she locked most of the children in a room, gave them food and water, and kept them calm.

For three days, everything was fine. The children would come to the studio daily, at around 9am. The lunch break was at 1.30pm, and shooting would end at 5pm," said Patankar.

Jadhav said that on Tuesday or Wednesday, things seemed different. Aarrya started covering the studio's windows with black paper and stuck photos of the children on it. He told us the sunlight was hampering the shoot.

On Thursday, he told the parents he was to shoot a kidnapping scene and even covered the children's faces with tape," said a police officer. "But when the children didn't emerge for lunch and started feeling hungry and 1.50pm, he sent a video to one of the parents, declaring that all the children had been held hostage," the officer added.

Jadhav added, "I immediately called my mother-in-law, who told me that our daughter was with her. She had also locked the other children in another room," said Jadhav.

They got afraid, seeing what's was happening. Aarrya was busy doing negotiations. He had spread an inflammable solution in the studio," said Patankar, adding that she took the children with her in a room and locked them for their safety He had brought a lot of food for the children.

Aher, although inside, was locked on the ground floor of the studio, while the drama unfolded on the first floor.

I didn't have keys to open the door. Those were with Aarrya. Neither I could enter the first floor as there was glass door, but I broke some parts of it and suffered injuries.